RNI N.- BIHBIL/2022/88070 राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र www. bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 6 , अंकः183, शुक्रवार, 11 जुलाई 2025 मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल के इस्तीफे की उठी मांग 03

आधुनिक युग मे कंप्यूटर शिक्षा अत्यंत आवश्यकः सांसद 04
एली अवराम ने शेयर की हॉट तस्वीरें, लेदर जैकेट में दिखा ग्लैमरस अंदाज 07

बिहार में वोटर वेरिफिकेशन की प्रक्रिया पर रोक लगाने से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

- सुप्रीम कोर्ट ने दस्तावेज की सूची में आधार, वोटर कार्ड और राशन कार्ड शामिल करने का सुझाव दिया

एजेंसी, नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने बिहार में वोटर वेरिफिकेशन की प्रक्रिया पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। जस्टिस सुधांशु धुलिया की अध्यक्षता वाली वेकेशन बेंच ने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया जारी रहेगी। कोर्ट ने निर्वाचन आयोग को वेरिफिकेशन किए जाने वाले दस्तावेज की सूची में आधार, वोटर कार्ड और राशन कार्ड शामिल करने का सुझाव दिया है। मामले की अगली सुनवाई 28 जुलाई को होगी। आज सुनवाई के दौरान जस्टिस धुलिया ने निर्वाचन आयोग के वकील से कहा कि अगर आपको बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत नागरिकता की जांच करनी थी तो ये काम आपको पहले शुरू करना था। सुनवाई के दौरान निर्वाचन आयोग ने कहा कि आधार कार्ड केवल पहचान पत्र है उससे ज्यादा कुछ नहीं, ये नागरिकता का आधार नहीं है।

निर्वाचन आयोग के वकील राकेश द्विवेदी ने दलील दी कि ये कहना ठीक नहीं कि चुनाव आयोग मतदाताओं का नाम काटने के लिए ये कवायद कर रहा है। आयोग ने कहा कि इससे किसी को आपत्ति नहीं हो सकती कि हम वोटर लिस्ट वेरिफिकेशन क्यों कर रहे हैं। इस पर कोर्ट ने कहा कि लेकिन सवाल तो यह उठता है कि आप इस प्रक्रिया को नवंबर में होने वाले बिहार चुनाव से क्यों जोड़ रहे हैं। अगर यह एक ऐसी प्रक्रिया है जो देशभर में चुनाव से स्वतंत्र रूप से की जा सकती है, तो फिर इसे विशेष रूप से चुनाव से क्यों जोड़ा जा रहा है।

सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं में से एक के वकील गोपाल शंकरनारायणन ने कहा कि निर्वाचन आयोग वह कर रहा जो उसे नहीं करना चाहिए। यह पूरी तरह से मनमाना और भेदभावपूर्ण है। आधार को सभी मामलों में पहचान के लिए मान्य दस्तावेज माना जाता है लेकिन इसे वोटर वेरिफिकेशन में नहीं माना जा रहा है। हम ये नहीं कह रहे कि आधार नागरिकता का प्रमाण है, खासकर उस व्यक्ति के लिए जो मतदाता सूची में दर्ज नहीं है लेकिन जो व्यक्ति पहले से ही मतदाता सूची में है, उसके लिए यह प्रमाणीकरण का एक प्रमाण है।

सुनवाई के दौरान कपिल सिब्बल ने एसआईआर की प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए कहा कि यह निर्वाचन आयोग के अधिकार क्षेत्र में नहीं है। निर्वाचन आयोग कौन होता है कहने वाला कि हम नागरिक नहीं हैं। सिब्बल ने कहा कि बिहार सरकार के सर्वे से पता चलता है कि बहुत ही कम लोगों के पास वो कागज हैं जो चुनाव आयोग मांग रहा है। पासपोर्ट केवल ढाई फीसदी लोगों के पास है। मैट्रिकुलेशन प्रमाणपत्र 14.71 फीसदी के पास है। वन अधिकार प्रमाण पत्र बहुत ही कम लोगों के पास है, निवास प्रमाण पत्र और ओबीसी प्रमाण पत्र भी बहुत कम लोगों के पास हैं। जन्म प्रमाण पत्र को निर्वाचन आयोग की सूची से बाहर रखा गया है, आधार को बाहर रखा गया है, मनरेगा कार्ड को भी बाहर रखा गया है।

अभिषेक मनु सिंघवी ने दलील दी कि एक भी योग्य मतदाता को मताधिकार से वंचित करना समान अवसर के अधिकार को प्रभावित करता है, यह लोकतंत्र के बुनियादी ढांचे पर सीधा प्रहार करता है। उन्होंने कहा कि आधार एक मान्य दस्तावेज के रूप में स्वीकार किया गया है। इस मामले में राष्ट्रीय जनता दल, तृणमूल कांग्रेस के अलावा एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) ने सुप्रीम कोर्ट में याचिकाएं दायर की हैं। याचिका में निर्वाचन आयोग द्वारा बिहार में एसआईआर के लिए जारी आदेश को रद्द करने की मांग की गई है।

हिमाचल प्रदेश में सामान्य से 23% अधिक बारिश, बादल फटने की 22 और फ्लैश फ्लड की 31 घटनाएं, अब तक 91 लोगों की मौत

एजेंसी, शिमला

हिमाचल प्रदेश में इस बार मानसून ने समय से पहले दस्तक देते ही भारी तबाही मचाई है। दक्षिण-पश्चिमी मानसून 20 जून को प्रदेश में पहुंचा और 22 जून तक पूरे राज्य को अपने प्रभाव में ले लिया। शुरुआत से ही बारिश ने कहर ढाया और खासकर मंडी जिला सबसे ज्यादा प्रभावित रहा। यहां बादल फटने और फ्लैश फ्लड की घटनाओं से जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है।

मौसम विज्ञान केंद्र शिमला की रिपोर्ट के मुताबिक जुलाई महीने में अब तक प्रदेश में सामान्य से 23 फीसदी ज्यादा बारिश दर्ज की गई है। मंडी जिले में सामान्य से 116 मिमी अधिक, शिमला और ऊना में 114 मिमी ज्यादा जबकि सिरमौर में सामान्य से 83 फीसदी अधिक वर्षा हुई है। असामान्य वर्षा के चलते पूरे प्रदेश में अब तक बादल फटने की 22, फ्लैश फ्लड की 31 और भूस्खलन की 17 घटनाएं दर्ज की गई हैं। सबसे भयानक मंजर मंडी जिले में 30 जून की रात देखने को मिला, जब एक ही रात में 12 जगह बादल फटे। सिराज विधानसभा क्षेत्र के थुनाग, गोहर और करसोग इलाके में कई घर, दुकानें और सड़कें तबाह हो गईं। अकेले मंडी जिले में 409 घर और 203 दुकानें पूरी तरह ढह गईं, जबकि 732 मकानों को आंशिक नुकसान पहुंचा। जिले में 20 लोगों की मौत हो चुकी है और 27 लोग अब भी लापता हैं। मंडी में 138 सड़कें, 124 ट्रांसफार्मर और 137 पेयजल योजनाएं ठप पड़ी हैं। साथ ही नेशनल हाईवे-3 भी अभी अवरुद्ध है। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक मानसून सीजन के दौरान अब तक वर्षा जनित हादसों में प्रदेशभर में 91 लोगों की मौत, 34 लापता और 129 लोग घायल हुए हैं। इस आपदा में 432 घर पूरी तरह, जबकि 928 घर आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हुए हैं। 224 दुकानें और 880 गौशालाएं भी तबाह हो चुकी हैं। अब तक प्रदेश को करीब 749 करोड़ रुपये की संपत्ति का नुकसान हुआ है, जिसमें सबसे ज्यादा नुकसान जलशक्ति विभाग को 404 करोड़ रुपये और लोक निर्माण विभाग को 327 करोड़ रुपये का हुआ है। बीती रात भी राजधानी शिमला समेत कई क्षेत्रों में रुक-रुक कर बारिश जारी रही। सिरमौर के धौलाकुआं में पिछले 24 घंटों में सबसे ज्यादा 168 मिमी बारिश दर्ज की गई, जबकि बिलासपुर में 120 मिमी, मनाली में 46 मिमी, जुब्बड़हट्टी में 44 मिमी, नगरोटा सुर्रियाँ में 42 मिमी, पांवटा साहिब में 38 मिमी और सुजानपुर में 37 मिमी वर्षा हुई। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटों में भारी बारिश की संभावना जताई है। 16 जुलाई तक कुछ इलाकों में भारी वर्षा का खतरा बना रहेगा और इसे लेकर येलो अलर्ट जारी किया गया है। गुरुवार शाम तक प्रदेश में एक नेशनल हाईवे समेत 207 सड़कें बंद हैं। इसके अलावा 132 बिजली ट्रांसफार्मर और 812 पेयजल योजनाएं भी प्रभावित हुई हैं।

पीएम नरेंद्र मोदी पांच देशों की सफल यात्रा कर स्वदेश वापस आए, चार देशों ने दिया सर्वोच्च नागरिक सम्मान

एजेंसी, नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार सुबह आठ दिवसीय विदेश यात्रा के बाद स्वदेश लौट आए। उन्होंने 2 से 9 जुलाई तक अफ्रीका और दक्षिण अमेरिका के पांच देशों—घाना, त्रिनिदाद एवं टोबैगो, अर्जेंटीना, ब्राजील और नामीबिया—का दौरा किया। इस दौरान उन्हें चार देशों ने अपने सर्वोच्च नागरिक सम्मान से सम्मानित किया।

प्रधानमंत्री मोदी का दौरा घाना से शुरू हुआ, जो किसी भारतीय प्रधानमंत्री की 30 वर्षों में पहली यात्रा थी। उन्होंने राष्ट्रपति जॉन महामा और उपराष्ट्रपति नाना जेन ओपोकु-अग्येमांग से मुलाकात की। दोनों देशों ने द्विपक्षीय व्यापार को अगले पांच वर्षों में दोगुना करने का लक्ष्य तय किया। पीएम मोदी को घाना का सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'द ऑफिसर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द स्टार ऑफ घाना' प्रदान किया गया। त्रिनिदाद एवं टोबैगो की 1999 के बाद यह पहली भारतीय प्रधानमंत्री की द्विपक्षीय यात्रा थी। इस वर्ष वहां भारतीय प्रवासियों के आगमन की 180वीं वर्षगांठ भी मनाई जा रही है। पीएम मोदी ने राष्ट्रपति क्रिस्टीन कार्ला कंगालू और प्रधानमंत्री कमला बिसेसर से मुलाकात की। यहां भी उन्हें देश का सर्वोच्च सम्मान 'द ऑर्डर ऑफ द रिपब्लिक ऑफ त्रिनिदाद एंड टोबैगो' से नवाजा गया। बताया जा रहा है कि प्रधानमंत्री मोदी की अर्जेंटीना यात्रा 57 वर्षों बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली द्विपक्षीय यात्रा रही है। उन्होंने राष्ट्रपति जेवियर माइली से मुलाकात कर कृषि, ऊर्जा, व्यापार और प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की। ब्राजील के रियो डी जनेरियो में पीएम मोदी ने 17वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लिया और ब्रासीलिया में राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा से द्विपक्षीय वार्ता की। दोनों नेताओं ने रक्षा, नवीकरणीय ऊर्जा और व्यापार सहयोग पर चर्चा की। प्रधानमंत्री मोदी के इस विदेशी दौरे का अंतिम चरण नामीबिया रहा, जहां 27 वर्षों बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री ने राजकीय यात्रा की। राष्ट्रपति नेटुम्बो नांदी-न्डैतवाह ने प्रधानमंत्री मोदी को 'ऑर्डर ऑफ द मोस्ट एंशिएंट वेल्वित्चिया मिराबिलिस' से सम्मानित किया। पीएम मोदी ने इस सम्मान को भारत-नामीबिया मित्रता को समर्पित किया। प्रधानमंत्री मोदी की यह यात्रा न केवल कूटनीतिक दृष्टिकोण से सफल रही, बल्कि भारत की सॉफ्ट पावर और वैश्विक नेतृत्व की भूमिका को भी सुदृढ़ करती है।

पूर्वी क्षेत्रीय परिषद की बैठक में गाद प्रबंधन नीति बनाने पर बनी सहमति : सम्राट चौधरी

एजेंसी, पटना

बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने झारखंड की राजधानी रांची में गुरुवार को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में हुई पूर्वी क्षेत्रीय परिषद की 27वीं बैठक में गुरुवार को पड़ोसी राज्यों के साथ बिहार का पक्ष मजबूती से रखा। शाह ने उपमुख्यमंत्री चौधरी की बातों का गंभीरता से संज्ञान लिया।साथ ही उन्होंने बिहार के विकास के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के प्रयासों के लिए धन्यवाद व्यक्त किया। इस बैठक में झारखंड के अलावा बिहार,पश्चिम बंगाल और ओडिशा राज्यों के मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री आदि ने भाग लिया। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बताया कि बिहार के जल ग्रहण क्षेत्र में गंगा, कोसी सहित विभिन्न नदियों से प्राप्त जल स्त्राव एवं गाद के कारण प्रत्येक वर्ष बाढ़ की विभीषिका से मुक्ति पाने के लिए व्यापक गाद प्रबंधन नीति तैयार करने पर बैठक में सहमति बनी। उन्होंने जल संसाधन से जुड़े विषयों पर कहा कि इन्द्रपुरी जलाशय वाणसागर समझौता के तहत अविभाजित बिहार के लिए कर्णांकित सोन नदी के जल का बंटवारे का फॉर्मूला तय हुआ, जिसमें बिहार को 5.75 एमएएफ और झारखंड राज्य को 2.00 एमएएफ मिलने पर सहमति बनी।

संजय गांधी ने जबरन कराई नसबंदियां, दिल्ली में हजारों लोगों को किया बेघर

अब कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने आपातकाल को लेकर उठाए सवाल

एजेंसी, नई दिल्ली

कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने आपातकाल पर सवाल उठाए हैं। हाल ही में एक लेख में उन्होंने दिवंगत पूर्व पीएम इंदिरा गांधी के बेटे संजय गांधी का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र हल्के में ली जाने वाली चीज नहीं है। खास बात है कि ऑपरेशन सिंदूर को लेकर भारतीय प्रतिनिधिमंडल के साथ विदेश गए थरूर पीएम मोदी की तारीफ को लेकर भी कांग्रेस नेताओं के निशाने पर आ गए थे।

एक मलयालम समाचार में गुरुवार को आपातकाल पर प्रकाशित एक लेख में कांग्रेस कार्यसमिति के सदस्य शशि थरुर ने 25 जून 1975 से 21 मार्च 1977 के बीच तत्कालीन पीएम इंदिरा गांधी द्वारा घोषित आपातकाल के काले दौर को याद किया और कहा कि अनुशासन और व्यवस्था के लिए किए गए प्रयास अक्सर क्रूरतापूर्ण कृत्यों में बदल जाते हैं जिन्हें उचित नहीं ठहराया जा सकता था।

थरुर ने लिखा- इंदिरा गांधी के पुत्र संजय गांधी ने जबरन नसबंदी अभियान चलाया जो इसका एक संगीन उदाहरण बन गया। पिछड़े ग्रामीण इलाकों में मनमाने लक्ष्यों को पूरा करने के लिए हिंसा और बल का इस्तेमाल किया गया। नई दिल्ली जैसे शहरों में झुग्गियों का सफाया कर दिया गया। हजारों लोग बेघर हो गए। उनके कल्याण पर ध्यान नहीं दिया गया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र कोई ऐसी चीज नहीं है जिसे हल्के में लिया जाए, यह एक अनमोल विरासत है जिसे निरंतर पोषित और संरक्षित किया जाना चाहिए। थरूर ने कहा कि यह सभी को हमेशा याद दिलाता रहे। थरूर के मुताबिक आज का भारत 1975 का भारत नहीं है। उन्होंने कहा कि हम ज्यादा आत्मविश्वासी, ज्यादा विकसित और कई मायनों में ज्यादा मजबूत लोकतंत्र हैं। फिर भी, आपातकाल के सबक चिंताजनक रूप से प्रासंगिक बने हुए हैं। थरूर ने चेतावनी दी कि सत्ता को केंद्रीकृत करने, असहमति को दबाने और संवैधानिक रक्षात्मक उपायों को दरकिनार करने की प्रवृत्ति कई रूपों में फिर से उभर सकती है। उन्होंने कहा कि अक्सर ऐसी प्रवृत्तियों को राष्ट्रीय हित या स्थिरता के नाम पर उचित ठहराया जा सकता है। इस लिहाज से आपातकाल एक कड़ी चेतावनी है। लोकतंत्र के प्रहरियों को हमेशा सतर्क रहना चाहिए।

बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण प्रक्रिया के बीच सीमांचल जिलों के आधार सेचुरेशन से उठे गंभीर सवाल

एजेंसी, पटना

बिहार में जारी मतदाता सूची पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्य के बाद इसके साथ जरुरी कागजात लगाने और इसे जमा करने की होड़ सी मची हुई है। चुनाव आयोग ने इसके लिए 25 जुलाई की समय सीमा भी तय कर दी है। इस एसआईआर कार्य के दौरान बिहार के मुस्लिम बाहुल सीमांचल के जिलों में चौकाने वाले आधार संतृप्ति (आधार सेचुरेशन) के आंकड़े सामने आये हैं। यहां पर सेचुरेशन का यह आंकड़ा 120 से 126 फीसदी तक पहुंच गया है।इस बाबत चुनाव आयोग ने कहा है कि आधार कार्ड को नागरिकता का सबूत नहीं माना जाएगा। यही नही बीते सप्ताह मुख्य चुनाव आयोग ने विपक्षी दलों को बिहार के किशनगंज, अररिया, कटिहार और पूर्णिया में आधार सेचुरेशन के ताजा आंकड़ों ने राजनीतिक गलियारों और सुरक्षा एजेंसियों को सोचने पर मजबूर कर दिया है। जहां राज्य में इन चार जिलों को छोड़कर औसत सेचुरेशन लगभग 94 प्रतिशत है, वहीं मुस्लिम बहुल सीमांचल जिलों में यह आंकड़ा 126 प्रतिशत तक पहुंच गया है। यह स्थिति न केवल विसंगति की ओर इशारा करती है, बल्कि संभावित डुप्लिकेट या फर्जी पहचान पत्रों की आशंका भी खड़ी करती है। किशनगंज में मुस्लिम आबादी 68 प्रतिशत है, जबकि आधार सेचुरेशन 126 प्रतिशत, कटिहार में मुस्लिम आबादी 44 प्रतिशत आधार सेचुरेशन 123 प्रतिशत, अररिया मुस्लिम आबादी 43 प्रतिशत आधार सेचुरेशन 123 प्रतिशत और पूर्णिया में मुस्लिम आबादी 38 प्रतिशत तथा आधार सेचुरेशन 121 प्रतिशत है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह रांची से दिल्ली रवाना, भाजपा नेताओं को दिए कई टिप्स

एजेंसी, रांची

झारखंड की राजधानी रांची में गुरुवार को पूर्वी क्षेत्रीय परिषद की बैठक में भाग लेने के बाद केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह शाम को दिल्ली लौट गए। इस दौरान एयरपोर्ट पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

दिल्ली लौटने से पूर्व पूर्वी क्षेत्रीय परिषद की बैठक में भाग लेने के अलावा अमित शाह ने प्रदेश भाजपा के सभी बड़े नेताओं से भी मुलाकात की। इस दौरान शाह ने उन्हें आवश्यक दिशा निर्देश और टास्क भी दिए। हालांकि ये दिशा-निर्देश क्या हैं। इनके अभी जानकारी नहीं हो पायी है। रांची के एक निजी होटल में पूर्वी क्षेत्रीय परिषद की बैठक समाप्त होने के बाद अमित शाह ने प्रदेश भाजपा के चार नेताओं से भी मुलाकात की। इनमें बाबूलाल मरांडी, रघुवर दास, चंपाई सोरेन और संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह शामिल थे। लगभग एक घंटे की इस मुलाकात में प्रदेश की राजनीतिक स्थिति और राज्य सरकार के कामकाज पर चर्चा हुई। इस क्रम में अमित शाह ने चारों नेताओं को आवश्यक सुझाव देने के साथ राजनीतिक दिशा देने का काम किया। इसके अलावा संगठन की मजबूती के लिए मिलकर काम करने पर भी जोर दिया। उन्होंने पार्टी पदाधिकारियों को कुछ आवश्यक राजनीतिक टिप्स भी दिए। उल्लेखनीय है कि बुधवार की रात रांची पहुंचने पर अमित शाह से नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी, पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास, अर्जुन मुंडा, रवींद्र राय, आदित्य साहू, नवीन जायसवाल, मनोज सिंह, रामचंद्र चंद्रवंशी और जीतू चरण राम ने मुलाकात की थी।

दिल्ली-एनसीआर में सड़कों पर तैरने लगी कारें, रुद्रप्रयाग में सड़क पर गिरा पहाड़

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली-एनसीआर में बीते 12 घंटे से तेज बारिश जारी है। बुधवार शाम हुई बारिश के बाद दिल्ली और गुरुग्राम की सड़कों पर बाढ़ जैसे हालात हैं। गाड़ियां पानी में तैरती नजर आईं। कई इलाकों में लोग पानी में डूब गए। घरों में पानी भर गया है। वहीं उत्तराखंड में बारिश के चलते कई जगहों में लैंडस्लाइड हुई है। रुद्रप्रयाग में बद्रीनाथ रोड पर पहाड़ गिर गया। दिल्ली और गुरुग्राम में आज बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। बुधवार शाम हुई तेज बारिश के बाद शहर की अधिकतर सड़कों पर पानी भर गया। गुरुग्राम सेक्टर 6 में शीतला माता मंदिर के पास गाड़ियां पानी में तैरती नजर आईं। दिल्ली-गुरुग्राम एक्सप्रेसवे के नरसिंहपुर के नजदीक सर्विस लेन पर 2 फुट तक पानी भर गया। उत्तराखंड में मानसून सीजन में अब तक 22फीसदी से ज्यादा बारिश हुई है। राज्यभर के अलग-अलग जगहों पर लैंडस्लाइड की घटनाएं हुईं। सड़कें बंद को गईं। इसके चलते चारधाम यात्रा रोक दी गई है। बुधवार को रुद्रप्रयाग से बद्रीनाथ जाने वाले रूट पर लैंडस्लाइड हो गया। सड़क पर गाड़ियों की आवाजाही बंद है। पहाड़ से गिरे मलबे को हटाने का काम जारी है। मौसम विभाग के मुताबिक अगले कुछ दिनों तक उत्तराखंड में बारिश का सिलसिला जारी रहेगा। नागपुर में तेज बारिश, 71 गांव का जिला मुख्यालय से संपर्क टूटा महाराष्ट्र के नागपुर में तेज बारिश के कारण 71 गांवों का जिला मुख्यालय से संपर्क टूटा गया। बोरगांव में 35 साल का युवक उफनते नाले में बह गया। उप्पलवाड़ी में भी 18 साल के लड़के की मौत हो गई।

देवघर श्रावणी मेला का वैदिक मंत्रों के साथ हुआ उद्घाटन

एजेंसी, रांची

झारखंड के विश्व प्रसिद्ध देवघर के श्रावणी मेला का गुरुवार को वैदिक मंत्रों के साथ विधिवत उद्घाटन हुआ। झारखंड सरकार के पर्यटन मंत्री सुदिव्य कुमार, श्रम मंत्री संजय यादव और पंचायती राज मंत्री दीपिका पांडे सिंह ने संयुक्त रूप से फीता काट कर उद्घाटन किया। दुम्मा द्वार का फीता काटने से पहले तीनों मंत्री समेत जिला प्रशासन के सभी अधिकारियों ने मंदिर के तीर्थ पुरोहितों के साथ वैदिक मंत्रों का उच्चारण के बीच विधिवत पूजा अर्चना की। पर्यटन मंत्री सुदिव्य कुमार, श्रम एवं उद्योग मंत्री संजय यादव ने दुम्मा द्वार से प्रवेश करने वाले श्रद्धालुओं के साथ बम बम भोले और बोल बम का जयकारा भी लगाया। इस अवसर पर मंत्री सुदिव्य कुमार ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि इस विश्व प्रसिद्ध मेला के लिए हर वर्ष की तुलना में इस वर्ष सबसे खास इंतजाम किए गए हैं।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के माध्यम से श्रद्धालुओं को सुविधा मुहैया कराई जाएगी। इस मेले में दुनिया भर के लोग आते हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी बड़े सफल आयोजन का संचालन तभी होता है जब समाज और स्थानीय लोगों की मदद मिले, इसलिए उन्होंने देवघर वासियों से अपील करते हुए कहा कि लोगों के साथ बेहतर व्यवहार बनाकर रखें। मंत्री सुदिव्य ने बताया कि अगले सावन को लेकर भी उनके मन में कई तैयारियों की योजना है।

संक्षिप्त समाचार

दीदारगंज टोल प्लाजा के गार्ड को स्कॉर्पियो ने कुचला, बाएं पैर की हड्डी पूरी तरह क्षतिग्रस्त

पटना। पटना में स्कॉर्पियो सवार ने गार्ड सूरज कुमार को कुचल दिया। विनोद के पैर टूट गया। इसका CCTV फुटेज भी सामने आया है। पूरा मामला 3 जुलाई के दोपहर का है, जहां गार्ड विनोद कुमार पटना-बख्तियारपुर NH-30 स्थित दीदारगंज टोल प्लाजा पर बख्तियारपुर साइड ड्यूटी कर रहे थे। सूरज, लेन नंबर 7 पर एक खराब वाहन को साइड करवाने में मदद कर रहे थे। इसी दौरान लेन नंबर 8 से आ रही एक स्कॉर्पियो (BR01HY/9270) अचानक लेन नंबर 7 में घुस गई। स्कॉर्पियो ने सूरज कुमार को कुचल दिया। हादसे में उनके बाएं पैर की हड्डी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। उन्हें तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया। फिलहाल उनका इलाज जारी है। इस मामले को लेकर टोल प्लाजा के सहायक प्रशासनिक प्रबंधक राजन कुमार झा ने दीदारगंज थाने में शिकायत दर्ज कराई। थाने ने मामला जीरो माइल ट्रैफिक थाना को ट्रांसफर कर दिया। वहीं ट्रैफिक थाना प्रभारी नीरज कुमार ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है। स्कॉर्पियो को भी जब्त कर लिया गया है। नालंदा निवासी आरोपी ड्राइवर को जमानत पर रिहा कर दिया गया है। घायल सुरक्षा गार्ड की पहचान सूरज कुमार नालंदा के थरथरी गांव का निवासी है, जो फिलहाल पटना के निजी नर्सिंग होम में रहकर अपने पैर का इलाज करा रहा है। बताया जा रहा है कि इस हादसे में सूरज कुमार का बाया पैर पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया था।

पटना में अलग-अलग मामलों में 4 लोग गिरफ्तार

पटना। पटना पुलिस ने बाढ़ अनुमंडल में अलग-अलग मामलों में चार लोगों को गिरफ्तार किया है। मामला हत्या के प्रयास, रंगदारी और हथियार लहराने का है। पहली गिरफ्तारी पंडारक थाना क्षेत्र में हुई जहां, हत्या के प्रयास मामले में दो आरोपियों सुजीत कुमार और गोपाल प्रसाद को गिरफ्तार किया गया। दोनों फरार चल रहे थे।पंडारक थानाध्यक्ष ललित विजय ने बताया कि दो आरोपियों के घर छपेड़ातर आए हुए हैं। इसके बाद पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया। दोनों को न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है। दूसरी गिरफ्तारी रंगदारी मांगने के मामले में हुई, जहां पुलिस ने देर रात सरहन गांव में छापेमारी कर एक अभियुक्त पंकज कुमार उर्फ बटोरन पासवान को गिरफ्तार किया है। वहीं तीसरी गिरफ्तारी अनुमंडल के पचमहला थाना की पुलिस ने कट्टा लहराने की सूचना पर डुमरा गांव निवासी कन्हैया कुमार को गिरफ्तार किया है। थाना अध्यक्ष शंकर झा ने बताया कि पुलिस को देखते ही युवक खेत की ओर भागने लगा। पुलिस ने आरोपी का पीछा कर खेत से उसे गिरफ्तार किया।

वैशाली में चलती कार में अचानक लगी आग, शॉर्ट सर्किट के बाद धुआं निकला, 3 युवकों ने कूदकर बचाई जान

हाजीपुर। वैशाली में एक चलती कार में अचानक आग लग गई। यह घटना गुरुवार सुबह पातेपुर के बालिगांव थाना क्षेत्र के मुसहरी चौड़ में राम सकल राय के घर के पास हुई है। कार का मालिक दिलीप कुमार झा की गाड़ी में सवार 3 लोग मुरा बखरी से पातेपुर की तरफ जा रहे थे। इसी दौरान शॉर्ट सर्किट के कारण अचानक कार से धुआं निकलने लगा। देखते ही देखते कार में आग लग गई। कार में आग लगने के बाद मौके पर अफरा तफरी का माहौल बन गया। लोग कार में चीखने चिल्लाने लगे। हालांकि की सूझबूझ दिखाते हुए कार में सवार तीनों युवकों ने तुरंत चलती कार से कूदकर अपनी जान बचा ली है। जिसके बाद आग लगने की सूचना मिलते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और लोगों ने तत्काल कार्रवाई करते हुए आग पर काबू पा लिया।

वैशाली में 10 साल की बच्ची से दुष्कर्म, आम देने का लालच देकर झाड़ी में ले गया था आरोपी

हाजीपुर। वैशाली में 10 साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म की घटना सामने आई है। आरोपी युवक ने आम देने का लालच देकर बच्ची को झाड़ियों में ले जाकर यह घिनौनी हरकत की। यह घटना पातेपुर थाना क्षेत्र के एक गांव की है। बुधवार सुबह करीब 8 बजे की है। बच्ची अपने घर के पास ही आम चुनने गई थी। इसी दौरान आरोपी उसे आम देने की बात कहकर करीब डेढ़ किलोमीटर दूर झाड़ी की ओर ले गया, जहां उसने दुष्कर्म किया। घटना के बाद पीड़िता बदहवासी की हालत में घर पहुंची और अपनी मां को पूरी आपबीती सुनाई। इसके बाद परिवार में हड़कंप मच गया। पीड़िता की मां ने बताया कि, बच्ची घर आई और मुझे पकड़ कर रोने लगी। जब उससे पूछे तो कहा कि गांव के ही लड़के ने उसे इकड़ी में ले जाकर गलत किया है। इसके बाद हमारे देवर ने बाइक से आरोपी को बगीचे से पकड़ कर घर लाए। उसके बाद पुलिस को घटना की सूचना दी गई। खबर लगते ही पीड़िता के चाचा ने तुरंत बाइक से आरोपी की तलाश शुरू की और उसे बगीचे से पकड़ लिया। स्थानीय लोगों के अनुसार, घटना के तुरंत बाद कुछ मुखिया और सरपंच मामले को गांव में ही सुलझाने की कोशिश करने लगे। जब बात नहीं बनी और दोनों पक्षों में तनाव बढ़ा, तब पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही पातेपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पातेपुर थाना अध्यक्ष राकेश कुमार ने बताया, नाबालिक लड़की से दुष्कर्म की सूचना मिली है।

सृष्टि के लिए इंसाफ की मांग, पीडब्ल्यू-कोतवाली थाने तक प्रदर्शन

संदिग्ध हालत में हुई थी मौत, फरार पति डॉ. अभिजीत सिन्हा पर हत्या का है आरोप

एजेंसी, पटना

पटना के किदवईपुरी में डॉक्टर अभिजीत सिन्हा की पत्नी सृष्टि सिन्हा की संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई थी। पत्नी की फंदे से लटकी लाश मिली थी, लेकिन मगर सृष्टि के परिजनों ने गला दबाकर हत्या करने का आरोप लगाया है। सृष्टि पटना विमेंस कॉलेज की छात्रा थी। उनके मौत से कॉलेज की छात्राओं में काफी गुस्सा है। इसे लेकर आज छात्राओं ने कॉलेज से कोतवाली थाने तक प्रदर्शन किया। छात्राओं ने वी वांट जस्टिस के नारे लगाए।

किसी के साथ हो सकती है ऐसी घटनाः छात्रा शिवानी ने कहा कि आज हम सृष्टि दीदी को इंसाफ दिलाने के लिए प्रदर्शन कर रहे हैं। वह काफी होनहार स्टूडेंट थी। उन्हें अवार्ड भी मिला है। उनके हस्बैंड द्वारा उनका मर्डर किया गया है। एक हफ्ता होने को है, लेकिन पुलिस सुस्त है। यह घटना कल होकर किसी के साथ भी हो सकती है। ऐसे में अगर आज उन्हें इंसाफ मिलेगा तो एक उम्मीद की किरण सभी में जगेगी।

तीनों बच्चों के साथ पति फरारः एक हफ्ते पहले सृष्टि की संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई थी। इसके बाद उन्हें उदयन अस्पताल ले जाया गया। उसके बाद PMCH में एडमिट कराया गया, जहां उनकी मौत हो गई। PMCH में पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया गया है। पुलिस ने भाई के बयान पर पति, सास समेत 3 पर हत्या का केस दर्ज किया है। घटना के बाद से डॉक्टर अभिजीत सिन्हा अपने तीनों बच्चों के साथ, उनकी मां नीलम सिन्हा और उनके भाई फरार है। अभिजीत और सृष्टि सिन्हा की शादी 2012 में हुई थी। दंपती को तीन बेटे हैं। सृष्टि मूल रूप से नवादा की रहने वाली थीं।

मुजफ्फरपुर में हथियार के साथ 3 बदमाश अरेस्ट, पिस्टल और गोली बरामद

एजेंसी, मुजफ्फरपुर

मुजफ्फरपुर पुलिस ने वाहन चेकिंग के दौरान तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से हथियार और गोली भी बरामद किया गया है। उनकी निशानदेही पर अन्य अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी चल रही है। तीनों का आपराधिक इतिहास खंगाला जा रहा है। मामला बरुराज थाना क्षेत्र का है। गुरुवार को लक्ष्मीनिया पुलिया के पास एसडीपीओ पश्चिमी 1 सुचित्रा कुमारी ने नेतृत्व में वाहन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था। इसी क्रम में ग्लैमर बाइक पर सवार तीन युवक आता हुआ दिखा। इशारा देकर उनको रोका गया। उसके बाद मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने उनकी तलाशी ली। तलाशी के क्रम में उनके पास से एक पिस्टल और दो गोली बरामद हुआ। तीनों को गिरफ्तार कर लिया गया। साथ ही बाइक को भी जब्त कर लिया गया। तीनों को थाना लाया गया। सख्ती से पूछताछ की गई। जिस दौरान तीनों ने अपने कई सहयोगियों के संबंध में पुलिस को जानकारी दी। उनकी निशानदेही पर अपराधियों की छापेमारी चल रही है।

♦ आपराधिक इतिहास खंगाल रही पुलिस

आपराधिक इतिहास का पता कर रही पुलिसः तीनों का आपराधिक इतिहास पता किया जा रहा है। गिरफ्तार अपराधियों की पहचान मोतीपुर थाना क्षेत्र के रसूलपुर जुनेदा निवासी भुलावन राम के बेटे रौशन कुमार, कृष्ण राम के बेटे विकास कुमार और हरी राम का बेटा अजीत कुमार के रूप में हुई है।

पूरे मामले पर ग्रामीण एसपी राजेश सिंह प्रभाकर ने बताया कि वहां चेकिंग के दौरान तीन अपराध कर्मियों को गिरफ्तार किया गया है। उनके पास से हथियार और गोली भी बरामद किया गया है। उनके आपराधिक इतिहास को खंगाला जा रहा है। तीनों को जेल भेजा जा रहा है।

पटना में बोरे में पैक मिला महिला का शव

एजेंसी, पटना

पटना के बाढ़ के अथमलगोला थाना क्षेत्र में ठंठा नदी से एक महिला का शव बरामद हुआ है। शव को बोरे में बांधकर नदी में फेंका गया था। महिला ने लाल रंग की साड़ी पहनी हुई है। मृतक की पहचान अनीता कुमारी (25) के रूप में हुई है। महिला नालंदा के भगवानपुर गांव की रहने वाली थी और उसकी शादी शाहपुर गोनामा में हुई थी। महिला का पति प्रहलाद यादव दिल्ली में प्राइवेट जॉब करता है। फिलहाल वह घर आया हुआ था। महिला के परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है।

थाना अध्यक्ष नवीन कुमार के अनुसार प्रारंभिक जांच में महिला के गले पर फंदे का निशान मिला है। हत्या का सटीक कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा।

हत्या और आत्महत्या दोनों एंगल जांच रही पुलिसः पुलिस दो पहलुओं पर जांच कर रही है। पहला, क्या किसी ने हत्या कर शव को नदी में फेंका। दूसरा, क्या महिला ने आत्महत्या की और परिजनों ने शव को नदी में फेंक दिया। स्थानीय लोगों का मानना है कि यह हत्या का मामला है। घटना की जानकारी मिलने के बाद मौके पर बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए थे। पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है।

ठंठा नदी से बरामद, नालंदा की रहने वाली थी महिला, परिजन ने हत्या की जताई आशंका

यूथ कांग्रेस ने पीएम और चुनाव आयोग को घेरा, प्रधानमंत्री को बनाया रिंग मास्टर

चुनाव आयोग को सर्कस का बंदर, कहा- आयोग अब निष्पक्ष नहीं

एजेंसी, पटना

बिहार में चुनाव आयोग द्वारा वोटर लिस्ट रिवीजन कराई जा रही है। इसपर विपक्ष लगातार आयोग पर हमलावर है। इसी बीच बिहार यूथ कांग्रेस ने इलेक्शन कमीशन को सर्कस का बंदर और पीएम मोदी को रिंग मास्टर बताया है। बिहार यूथ कांग्रेस ने X पर एक कार्टून वाली तस्वीर शेयर की है, जिसमें पीएम मोदी रिंग मास्टर की वेशभूषा में हाथों में छड़ी लिए दिख रहे हैं। वहीं, इलेक्शन कमीशन उनके इशारों पर नाच रही है। इस तस्वीर में 'द ग्रेट आयोग शो' लिखा है। इसे पोस्ट करते हुए X पर लिखा कि 'चुनाव आयोग अब निष्पक्ष नहीं, सिर्फ निर्देशों का पालनकर्ता है।'

प्रदेश कांग्रेस के प्रवक्ताओं और पैनलिस्टों की हुई बैठकः वहीं, बिहार प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय सदाकत आश्रम में आज पार्टी के प्रवक्ताओं, पैनलिस्टों की अहम परिचर्चा, बैठक हुई। इस दौरान प्रवक्ताओं और पैनलिस्टों को वरिष्ठ नेताओं ने अहम सुझाव और निर्देश भी दिए। प्रवक्ताओं को प्रमंडलों की जिम्मेदारी देने के साथ उन्हें संबंधित प्रमंडलों में अहम मुद्दों पर प्रेस कॉन्फ्रेंस भी करने का निर्णय लिया गया। वहीं, बिहार के ज्वलंत मुद्दों पर चर्चा हुई, ताकि उसपर सवाल कर विपक्ष को घेरा जा सके। इसका नेतृत्व बिहार के एआईसीसी मीडिया कॉर्डिनेटर अभय दुबे ने किया था।

चुनाव आयोग को बताया था मोदी-नीतीश का जिन्नः यह पहली बार नहीं है जब कांग्रेस ने ऐसी पोस्ट शेयर की हो। इससे पहले भी यूथ कांग्रेस ने चुनाव आयोग को घेरा था। इसमें चुनाव आयोग को जिन्न और पीएम मोदी और सीएम नीतीश को उनका आका बताया गया है। इस AI तस्वीर में पीएम हाथों में चिराग लिए हुए हैं, बगल में नीतीश कुमार खड़े हैं और जिन्न बना चुनाव आयोग 'हुकुम मेरे आका' कह रहा है। इस पोस्ट में कैप्शन लिखा है, 'चुनाव आयोग की नई पहचान, अब बिहार में आका का हुक्म ही आखिरी फैसला है!'

मोदी-नीतीश के गठबंधन को बताया था लूटबंधनः इससे पहले भी बिहार यूथ कांग्रेस की ओर से X पर पोस्ट शेयर किया गया था, जिसमें मोदी और नीतीश के गठबंधन को लूटबंधन बताया गया था। इस पोस्ट में लिखा था, बिहार की बर्बादी के दो ठेकेदार, एक जुमले का सौदागर दूसरा कुर्सी का लालची। वहीं, कांग्रेस ने एक फोटो जारी करते हुए BJP की क्रोनोलॉजी समझाई थी। इसमें गृह मंत्री अमित शाह और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का बातचीत करते कार्टून बनाया गया था।

बिहार में वोटर लिस्ट रिवीजन जारी रहेगा

चुनाव आयोग को सुप्रीम कोर्ट का निर्देश- आधार, वोटर आईडी, राशन कार्ड को भी पहचान पत्र मानें

एजेंसी, पटना

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को बिहार विधानसभा चुनाव से पहले वोटर लिस्ट के रिवीजन जारी रखने की अनुमति दी। अदालत ने इसे संवैधानिक जिम्मेदारी बताया। सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस सुधांशु धूलिया और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) यानी वोटर लिस्ट रिवीजन की टाइमिंग पर सवाल उठाए। अदालत ने चुनाव आयोग से कहा कि बिहार में SIR के दौरान आधार, वोटर आईडी, राशन कार्ड को भी पहचान पत्र माना जाए। बेंच के मुताबिक, 10 विपक्षी दलों के नेताओं समेत किसी भी याचिकाकर्ता ने चुनाव आयोग की इस प्रक्रिया पर अंतरिम रोक की मांग नहीं की है। सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाओं पर चुनाव आयोग से 21 जुलाई तक जवाब मांगा। अगली सुनवाई 28 जुलाई के लिए तय की।

विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) यानी वोटर लिस्ट रिवीजन पर अदालत में करीब 3 घंटे सुनवाई हुई। याचिकाकर्ताओं का आरोप है कि वोटर लिस्ट रिवीजन नियमों को दरकिनार कर किया जा रहा है। वोटर की नागरिकता जांची जा रही है। ये कानून के खिलाफ है। SIR के खिलाफ राजद सांसद मनोज झा, TMC सांसद महुआ मोइत्रा समेत 11 लोगों ने याचिकाएं दाखिल की हैं। याचिकाकर्ता की ओर से वकील गोपाल शंकर नारायण, कपिल सिब्बल और अभिषेक मनु सिंघवी ने जिरह की। चुनाव आयोग की पैरवी पूर्व अटॉर्नी जनरल केके वेणुगोपाल, राकेश द्विवेदी और मनिंदर सिंह ने की।

पटना में बालू कारोबारी की गोली मारकर हत्या

एजेंसी, पटना

पटना के रानी तालाब थाना क्षेत्र के धाना गांव में बालू कारोबारी की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान रमाकांत यादव के रूप में हुई है। गुरुवार की शाम रमाकांत अपने घर के बगीचे में टहल रहे थे। कुछ अज्ञात अपराधियों ने उन पर फायरिंग कर दी। गोली लगने से घायल रमाकांत को परिजन बिहटा के एक निजी अस्पताल ले गए। वहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

हत्या का कारण अभी क्लियर नहींः रामाकांत कई वर्षों से बालू कारोबार से जुड़े थे। हत्या का कारण अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। परिजन ने बताया कि 15 साल पहले रमाकांत के भाई उमाकांत यादव की भी गोली मारकर हत्या की गई थी। घटना की सूचना मिलते ही कई थानों की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस अपराधियों की तलाश में जुटी है। थानाध्यक्ष प्रमोद कुमार ने बताया कि परिजन ने उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया, जहां अभी सूचना मिली की उनकी मौत हो चुकी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। फरार अपराधियों की धर पकड़ में पुलिस की टीम लग गई है।

मुजफ्फरपुर के मंदिर को चोरों ने बनाया निशाना, घंटा, पीतल के बर्तन समेत जनरेटर की चोरी

एजेंसी, मुजफ्फरपुर

मुजफ्फरपुर में चोरों ने मंदिर को निशाना बनाया है। बुधवार की देर रात चोरों ने मंदिर का घंटा, पीतल का सामन समेत जनरेटर की चोरी कर ली। इसको लेकर स्थानीय लोग काफी आक्रोशित है। पुलिस घटनास्थल और आसपास के लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगाल रही है। मामला जिले के ब्रह्मपुरा थाना क्षेत्र का है। बुधवार की देर रात ब्रह्मपुरा थाना क्षेत्र के जुरन छपरा स्थित महामाया (माई) स्थान मंदिर को चोरों ने निशाना बनाया। अंधेरा का फायदा उठाकर चोर मंदिर में घुस गए। मंदिर में लगे घंटे की चोरी कर ली। उसके बाद गहबर और स्टोर रूम में घुस कर उसमें रखे पीतल का सामान और जनरेटर की चोरी कर ली। घटना को अंजाम देने के बाद चोर फरार हो गए। सुबह जब मंदिर के पुजारी पूजा करने आए, तब उन्हें इस घटना की जानकारी हुई। मंदिर के कमेटी को मामले की जानकारी दी गई। मौके और स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई। मामले की जानकारी पुलिस को दी गई।

रुम में ताला लगा, फिर भी चोरी हुईः सूचना के आलोक पर ब्रह्मपुरा थाना थाना की पुलिस दल बल के साथ मौके पर पहुंची। घटनास्थल और आसपास के लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगाला जा रहा है। आशंका जताई जा रही है कि अहले सुबह चोरों ने इस घटना को अंजाम दिया है।

♦ सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही पुलिस

पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है। पूरे मामले पर ब्रह्मपुरा थाना के दरोगा सुजीत कुमार ने बताया कि सूचना मिली कि माई स्थान मंदिर में चोरी की घटना हुई है। हमलोग जांच पड़ताल कर रहे है। स्टोर रूम का ताला बंद है, फिर भी चोरी हुई है। अगर चोर चोरी करता तो ताला तोड़कर करता। मामला संदेहास्पद प्रतीत हो रहा है। सभी बिंदुओं पर जांच चल रही है। आस पास के सीसीटीवी को भी खंगाला जा रहा है। साक्ष्य के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सावन में रुद्राभिषेक के लिए महावीर मंदिर में बुकिंग जारी, 1280 लोग कर चुके हैं बुक

एजेंसी, पटना

सावन का पवित्र महीना कल यानी 11 जुलाई से शुरू हो रहा है। सावन महीने में पटना के महावीर मंदिर में भी भक्तों की काफी भीड़ देखने को मिलती है। महावीर मंदिर में सावन में रुद्राभिषेक के लिए बुकिंग भी हो रही है। इस सावन रुद्राभिषेक के लिए अबतक 1280 बुकिंग हो चुकी है। वहीं, पहली सोमवारी के लिए 44 रुद्राभिषेक की बुकिंग की गई है। यह रुद्राभिषेक सुबह 5 बजे से लेकर रात 9 बजे तक होगा।

2750 रुपए में रुद्राभिषेक के लिए हुई बुकिंगः महावीर मंदिर के बुकिंग काउंटर के संचालक पंडित राम मिलन ने बताया कि सोमवारी के विशेष दिन भक्त रुद्राभिषेक करना चाहते हैं। इसलिए इस दिन 2750 रुपए और अन्य दिनों के लिए 2310 रुपए दक्षिणा निर्धारित की गई है। वहीं, रुद्राभिषेक के साथ-साथ महामृत्युंजय जाप के लिए भी भक्तों ने बुकिंग कराई है। महामृत्युंजय जाप के लिए 330 रुपया प्रति हजार जप दक्षिणा निर्धारित की गई है। महावीर मंदिर में तीन शिवलिंग हैं। नीचे प्राचीन शिवलिंग, ऊपर शीशा बंद शिवलिंग और बीच में हनुमान जी के बगल में अवस्थित शिवलिंग है। इन तीनों शिवलिंग पर भक्तों को रुद्राभिषेक कराया जाएगा। बाकी शिवलिंग पर सुबह 5 बजे से लेकर रात 9 बजे तक और हनुमान जी के बगल में अवस्थित शिवलिंग में दोपहर 12 से रात 9 बजे तक रुद्राभिषेक होगा।

सोमवारी पर 2750 रुपए और आम दिन लगेंगे 2310 रुपए

दक्षिण भारत के आचार्य कराएंगे रुद्राभिषेकः रुद्राभिषेक के लिए जिन भक्तों ने बुकिंग कराई है, उनको बाहर से पूजन सामग्री लाने की जरूरत नहीं है। उनके लिए पूजन सामग्री की व्यवस्था महावीर मंदिर की ओर से ही की जाएगी। दक्षिण भारत के आचार्यों द्वारा भक्तों को रुद्राभिषेक कराया जाएगा। सावन को लेकर भक्तों की काफी भीड़ पहुंचने वाली है, इसे ध्यान में रखते हुए फूल और प्रसाद का काउंटर लगाया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

उपचुनावः कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच 7 बजे से होगी मतगणना

बीएनएम। हरसिद्धि। प्रखंड के मुरारपुर पंचायत में मुखिया पद के लिए हुए उपचुनाव की मतगणना शुक्रवार को सुबह 7 बजे से शुरू होगी। इस चुनाव में कुल छह महिला प्रत्याशी मैदान में थीं, जिनके भाग्य का फैसला प्रखंड मुख्यालय परिसर में पुलिस बल की निगरानी में होगा। प्रखंड विकास पदाधिकारी सह निर्वाची पदाधिकारी मनोज पासवान ने बताया कि मतगणना शांतिपूर्ण और पारदर्शी ढंग से संपन्न कराई जाएगी। इसके लिए व्यापक सुरक्षा प्रबंध किए गए हैं। मतगणना स्थल के आसपास धारा 144 लागू कर दी गई है और दो सौ मीटर के दायरे में आम लोगों का प्रवेश निषेध रहेगा। बीडीओ ने बताया कि मतगणना की देखरेख के लिए राजकुमार नायक को मजिस्ट्रेट नियुक्त किया गया है। मतगणना सात राउंड में चलेगी और एक प्रत्याशी के लिए दो टेबल पर मतों की गिनती की जाएगी। सभी प्रत्याशियों और उनके अधिकृत चुनाव एजेंट को सुबह सात बजे से पहले मतगणना स्थल पर पहुंचना अनिवार्य है। उन्हें मतगणना हॉल में प्रवेश के लिए पहचान पत्र (आईडी कार्ड) अनिवार्य रूप से लाना होगा, अन्यथा उन्हें प्रवेश नहीं दिया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि मतगणना स्थल पर प्रत्याशियों और उनके अधिकृत प्रतिनिधियों के अतिरिक्त अन्य किसी को प्रवेश की अनुमति नहीं होगी। अनावश्यक भीड़-भाड़ से बचने की अपील की गई है, साथ ही जुलूस या विजय यात्रा पर भी पूर्ण पाबंदी रहेगी। मतगणना की पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए पूरे स्थल की निगरानी सीसीटीवी कैमरों से की जाएगी। वहीं, मतपेटी खोलने से पहले उसकी वीडियोग्राफी कराकर रिकॉर्ड सुरक्षित रखा जाएगा।

प्रखंड कार्यालय परिसर से दिनदहाड़े बाइक चोरी, सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

बीएनएम। हरसिद्धि/मोतिहारी। प्रखंड कार्यालय परिसर से अज्ञात चोरों ने दिनदहाड़े एक बाइक की चोरी कर लेने का मामला प्रकाश में आया है। चोरी गई बाइक अंचल कार्यालय में कार्यरत अंचल अमीन बिनोद कुमार मिश्रा की बताई गई है। घटना कार्यालय परिसर के भीतर घटी, जिससे वहां की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठने लगे हैं। पीड़ित बिनोद कुमार मिश्रा ने हरसिद्धि थाना में दिए आवेदन में बताया कि उन्होंने अपनी हीरो होंडा बाइक (रजिस्ट्रेशन नंबरः BR-06BU-9952) को प्रखंड परिसर में बने बाइक शेड में खड़ा किया था। कार्यालय कार्य पूरा करने के बाद जब वे वापस लौटे, तो बाइक गायब मिली। उन्होंने तत्काल अन्य कर्मियों को सूचना दी और परिसर में खोजबीन की, लेकिन बाइक का कोई सुराग नहीं लगा। इसके बाद उन्होंने हरसिद्धि थाने में लिखित आवेदन देकर प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की है। थानाध्यक्ष सर्वेंद्र कुमार सिन्हा ने मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि आवेदन प्राप्त हुआ है, जांचोपरांत प्राथमिकी दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। गौरतलब है कि प्रखंड कार्यालय परिसर में पहले भी बाइक चोरी की घटनाएं हो चुकी हैं, लेकिन सुरक्षा व्यवस्था अब तक ठोस नहीं हो सकी है। कर्मचारियों और आम नागरिकों ने प्रखंड परिसर में सुरक्षा चूक को लेकर नाराजगी जताई है और प्रशासन से शीघ्र कार्रवाई की मांग की है। फिलहाल, सीसीटीवी फुटेज खंगाली जा रही है ताकि चोरी में शामिल व्यक्ति की पहचान की जा सके।

बगहा में दिन में भी जलती हैं स्ट्रीट व हाईमास्ट लाइटें

बीएनएम। बगहाः बगहा नगर के एनएच 727 बगहा व बेतिया मुख्य मार्ग समेत चौक चौराहों पर रोशनी के लिए लगी स्ट्रीट व हाईमास्ट लाइट रात में कम दिन में अधिक जलती हैं। इसका कोई पूछने वाला नहीं है। जिससे राजस्व का नुकसान हो रहा है। विभागीय उदासीनता से कंट्रोल करने के लिए कहीं भी स्वीच नहीं लगाया गया है और कहीं लगा भी है तो वह खराब पड़ा है। जिस कारण 24 घंटे ये लाइट जलती रहती हैं। इस ओर नगर परिषद का ध्यान नहीं है। दूसरी ओर विद्युत विभाग को अपने विपत्र से मतलब रहता है। दिन में लाइट जलने से राजस्व का नुकसान हो रहा है। नगर वासियों ने प्रशासन से गंभीरता से लेते हुए दिन में जल रहे लाइट मरम्मती साथ लाइट ऑफ करने की मांग संबंधित अधिकारियों से किया है। वहीं दूसरी ओर इन लोगों का कहना है कि जहां दिन के अलावा रात में भी लोगों की आवाजाही लगी रहती है। पर इस रोड में शाम के समय अंधेरा पसर जाता है। इतना ही नहीं कई वार्ड मोहल्ला के मुख्य पथ में भी स्ट्रीट लाइट खराब रहने से शाम होते ही अंधकार छाया रहता है। जिससे लोगों को रात्री में यातायात के दौरान अपने को असुरक्षित महसूस करते है। जिसे बार-बार मौखिक रूप से कहने के बाद भी नहीं बदला जा रहा है। गौरतलब हो कि नगर के कई व्यस्त चौक चौराहे व सड़क में लगे बल्ब खराब हो गया है। जिसका बल्ब नहीं बदला जा रहा है। यह समस्या बीते कई माह से चल रही है। जबकि मौखिक रूप से वार्ड पार्षद से लेकर अन्य लोगों को भी इस संदर्भ में कहा गया इसको लेकर स्थानीय लोगों में गुस्सा भी है। लोगों में विभाग की कुव्यवस्था लापरवाही पर आक्रोश बढ़ गया है।

युवाओं में जागरूकता और नेतृत्व को मिलेगी नई दिशा

बीएनएम। सहरसाः जिले के कहरा प्रखंड के कृष्ण कांत गुप्ता का चयन भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय द्वारा संचालित मेरा युवा भारत (MY Bharat) योजना के तहत राष्ट्रीय युवा कोर वॉलिंटियर के रूप में हुआ है। यह चयन न केवल जिले के युवाओं के लिए गर्व का विषय है, बल्कि उनके लिए एक प्रेरणा भी है। कृष्ण कांत गुप्ता पहले से ही सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय रहे हैं और अब इस नई जिम्मेदारी के तहत वे शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, रोजगार, नशा मुक्ति एवं डिजिटल साक्षरता जैसे अहम विषयों पर युवाओं को जागरूक करेंगे। उनका उद्देश्य ग्रामीण और पिछड़े इलाकों तक मेरा युवा भारत की योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि यह अवसर उनके लिए सम्मान और जिम्मेदारी दोनों का प्रतीक है, जिसे वे पूरी निष्ठा के साथ निभाएंगे। वे युवाओं में नेतृत्व, आत्मनिर्भरता और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को विकसित कर विकसित भारत 2047 के सपने को साकार करने में सहयोग करेंगे। उनकी यह पहल निश्चित रूप से सहरसा के युवाओं में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करेगी और राष्ट्र निर्माण में उनकी भागीदारी को और मजबूत करेगी।

पुलिस ने 25 हजार के इनामी अपराधी सुदर्शन को पकड़ा

बीएनएम।सहरसाः जिले में अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। 25 हजार के इनामी कुख्यात अपराधी सुदर्शन खाँ को बनगांव थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया है। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर बनगांव एवं कुशेश्वरस्थान थाना की संयुक्त टीम ने 8 जुलाई को गुप्त सूचना के आधार पर इस कार्रवाई को अंजाम दिया। गिरफ्तार अपराधी सुदर्शन खाँ, पिता स्व. विश्वेश्वर खाँ उर्फ विजय खाँ, बनगांव थाना क्षेत्र का निवासी है। उस पर सहरसा सहित विभिन्न थाना क्षेत्रों में हत्या, लूट, चोरी व आर्म्स एक्ट जैसे गंभीर अपराधों के तहत कुल 13 मामले दर्ज हैं। इनमें बनगांव थाना कांड संख्या 47/2007, 09/2002, सहरसा कांड संख्या 893/2016, 1043/2015, 293/2009 समेत महिषी, सिमरी बख्तियारपुर एवं नवहट्टा थानों में दर्ज मामले शामिल हैं। पुलिस सूत्रों के अनुसार, राज्य स्तर पर सुदर्शन खाँ की गिरफ्तारी के लिए 5 लाख तक का इनामी पुरस्कार घोषित किया गया था, जबकि सहरसा पुलिस द्वारा 25,000 का इनाम रखा गया था। गिरफ्तार अपराधी को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है। इस सफल कार्रवाई में बनगांव थाना के सह-थानाध्यक्ष पिंकी कुमारी, पुअनि पुनम कुमारी, पुअनि अमरेश कुमार एवं सशस्त्र बल की टीम की सराहनीय भूमिका रही।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल के इस्तीफे की उठी मांग

जनसुराज के प्रवक्ता अभय कुमार बोले- भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने ट्रस्ट एक्ट का उल्लंघन कर अवैध तरीके से एमजीएम कॉलेज पर कब्जा कर रखा है, तत्काल इस्तीफा दे

बीएनएम। मोतिहारी

जन सुराज के जिला संगठन पदाधिकारियों ने गुरुवार को पार्टी मुख्यालय पर प्रेस कॉन्फ्रेंस कर खुलासा किया कि कैसे भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने किशनगंज स्थित माता गुजरी मेडिकल कॉलेज (सिख माइनॉरिटी कॉलेज) पर विगत 25 वर्षों से कब्जा कर रखा है। वहीं मुख्य प्रवक्ता अभय कुमार ने बताया कि माता गुजरी मेडिकल कॉलेज (एमजीएम) के संस्थापक सरदार मोलेश्वर सिंह है। उनके पुत्र करतार सिंह (आजीवन ट्रस्टी) और गुरुदयाल सिंह ट्रस्टी बनाए गए थे पर दिलीप जायसवाल ने ट्रस्ट एक्ट, रजिस्ट्रेशन एक्ट का उल्लंघन कर उन्हें धोखे से ट्रस्टी पद से हटा दिया और फिर स्वयं एमजीएम कॉलेज के डायरेक्टर बन गए जिसमें एक समय वो क्लर्क हुआ करते थे। ट्रस्ट में दो तिहाई (2/3) हिस्सा सिख समुदाय का होना चाहिए, लेकिन इसकी भी पूरी तरह से अनदेखी की गई है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने पिछले 25 वर्षों से गैरकानूनी, अवैध तरीकों और हर स्तर पर अनियमितताओं के माध्यम से अल्पसंख्यक सिख कॉलेज पर कब्जा कर रखा है। करतार सिंह के जरिए उन्होंने पहले परिवार के दूसरे ट्रस्टी गुरुदयाल सिंह को ट्रस्ट से बाहर करवाया और फिर खुद करतार सिंह पर दबाव बनाकर उन्हें किशनगंज छोड़ने पर मजबूर कर दिया। इसके साथ ही दिलीप जायसवाल पर कॉलेज से जुड़े राजेश साह की हत्या की साजिश रचने का भी आरोप है और जिस पुलिस अधीक्षक ने इस मामले की जांच की और दिलीप जायसवाल को क्लीन चिट दी, उनकी पत्नी ने उसी माता गुजरी कॉलेज से एमबीबीएस की डिग्री हासिल की।

अभय कुमार ने आगे कहा कि इस पूरे मामले में जितने दोषी दिलीप जायसवाल हैं उतने ही जिम्मेदार राजद वाले भी है। ऐसा इसलिए क्योंकि दिलीप जायसवाल के कॉलेज पर कब्जा करने की शुरुआत राजद के कार्यकाल में ही हुई थी। 25 वर्षों में राजद ने इसपर कभी कोई सवाल नहीं उठाया क्योंकि राजद नेता राबड़ी देवी जी कहती है कि दिलीप जायसवाल उनके मुंह बोले भाई है। आपको बता दे कि लालू प्रसाद यादव के साले के परिवार के कई सदस्यों ने दिलीप जायसवाल के कब्जे वाले कॉलेज से एमबीबीएस की डिग्री हासिल की है। अनेक नेताओं और अफसरों के परिवार के सदस्यों को मैनेजमेंट कोटे से एडमिशन देकर एमबीबीएस की डिग्री दिलवाई गई है। इसलिए यह कहना गलत नहीं होगा कि जब व्यक्तिगत लाभ की बात आती है तो भाजपा, जदयू, राजद सभी हाथ मिला लेते हैं, जो इस मामले से स्पष्ट है। जन सुराज की मांग है कि कॉलेज के असली मालिक सरदार मोलेश्वर सिंह के परिवार को उनका हक मिले, राजेश साह की हत्या की दोबारा निष्पक्ष जांच हो और इस मामले की गंभीरता को देखते हुए भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल को तुरंत अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। इसके अलावा जन सुराज के युवा प्रदेश अध्यक्ष प्रोफेसर शांतनु ने पार्टी कार्यालय में युवाओं के साथ बैठक की और आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारी को लेकर उन्हें गांव-गांव जाकर जन सुराज पार्टी और प्रशांत किशोर की बिहार बदलने की परिकल्पना को जन-जन तक पहुंचाने के लिए प्रेरित किया।

गुरु पूर्णिमा धूमधाम से मनायी गई

बीएनएम। बगहा

आषाढ़ पूर्णिमा व गुरु पूर्णिमा का उत्सव राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के द्वारा गुरुवार को बगहा नगर के मारवाड़ी अतिथि भवन में मनाया गया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के द्वारा चयनित 6 उत्सव में से एक मुख्य उत्सव गुरु पूर्णिमा का उत्सव है। जिसे पूरे देश भर में सभी स्वयंसेवकों के द्वारा निष्ठा के साथ हर्षोल्लास से मनाया जाता है।उपरोक्त बातों की जानकारी जिला पर्यावरण एवं जल संरक्षण प्रमुख जितेन्द्र कुमार ने दी। इस गुरु पूर्णिमा के अहम मौके पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के चंपारण विभाग के विभाग प्रचारक नीतीश जी मुख्य वक्ता के तौर पर कार्यक्रम में उपस्थित रह कर सभी कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन किया। उन्होंने अपने उद्बोधन में गुरु शिष्य के महता पर प्रकाश डालते हुए स्वयंसेवकों को संबोधित किया तथा गुरु की महिमा तथा महत्व को बताया। अंधकार को हटाकर प्रकाश की ओर ले जाने वाले को 'गुरु' कहा जाता है।समाज जीवन में एकात्मता की,एक रस जीवन की कमी है।राष्ट्रीय भावना की कमी, त्याग भावना की कमी के कारण भ्रष्टाचार, विषमय, संकुचित भावनाओं से, ईर्ष्या, द्वेष, अहंकार, शोक रहित (चारित्र्य दोष) आदि दिखते हैं।इसलिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अपने गुरु स्थान पर भगवाध्वज को स्थापित किया है। भगवाध्वज त्याग, समर्पण का प्रतीक है। स्वयं जलते हुए सारे विश्व को प्रकाश देने वाले सूर्य के रंग का प्रतीक है। भगवाध्वज दोष रहित होता हैं।गुरू पूर्णिमा के दिन सभी स्वयंसेवक भगवाध्वज रूपी गुरु का पूजन करते हैं तथा अपना समर्पण करते हैं। इस गुरु पूजन के कार्यक्रम में मुख्य रूप से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग सह मार्ग प्रमुख सुरेश जी,जिला कार्यवाह सतीश जी,जिला व्यवस्था प्रमुख उमेश अग्रवाल,नगर कार्यवाह प्रवीण कुमार,दिलीप कुमार,नितिन शाह,संतोष कुमार,राजीव कुमार,संजय कुमार,ओमप्रकाश राही,सुभाष प्रसाद सहित संघ के अनुसांगिक संगठन के भूपेंद्रनाथ तिवारी,अचिंत्य लल्ला,ऋतु जायसवाल,राजन गुप्ता,रविशंकर गुप्ता,विजय गुप्ता सहित सैकड़ों स्वयंसेवक उपस्थित रहे ।

गुरु पूर्णिमा पर शिवलिंग पर जलाभिषेक करते शिव भक्त

गुरु पूर्णिमा पर रक्सौल काली मंदिर से निकली साधु-संतों की भव्य शाही यात्रा

बीएनएम। मोतिहारी

भारत-नेपाल सीमावर्ती शहर रक्सौल में गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर ऐतिहासिक काली मंदिर से साधु-संतों की विशाल शाही यात्रा निकाली गई। इस दिव्य आयोजन में भारत और नेपाल से सैकड़ों की संख्या में साधु, संत और नागा बाबा शामिल हुए। शाही यात्रा नगर भ्रमण करते हुए पुनः काली मंदिर प्रांगण में सम्पन्न हुई। गुरु पूर्णिमा के मौके पर मंदिर में विशेष पूजन महोत्सव का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। भारत और नेपाल से आए भक्तों ने मंदिर पहुंचकर अपने गुरु, वामाचार्य सेवक संजय नाथ से दीक्षा प्राप्त की।दीक्षा कार्यक्रम के बाद साधु-संतों का एक विशाल महासम्मेलन आयोजित हुआ, जिसमें सेवक संजय नाथ के नेतृत्व में धर्म संसद का आयोजन किया गया। धर्म संसद में देश को हिंदू राष्ट्र घोषित करने, गौ हत्या पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने, गौ माता को राष्ट्रीय पशु घोषित करने तथा नेपाल को पुनः हिंदू राष्ट्र बनाए जाने जैसे अहम मुद्दों पर विचार-विमर्श हुआ। सेवक संजय नाथ ने बताया कि हर वर्ष गुरु पूर्णिमा पर भारत और नेपाल से बड़ी संख्या में श्रद्धालु काली मंदिर पहुंचते हैं और गुरु दीक्षा प्राप्त कर आध्यात्मिक मार्ग की ओर अग्रसर होते हैं। इस अवसर पर मुक्तिनाथ उर्फ आल्टर बाबा, डॉ. शंकर नाथ, अनिल कुमार सिन्हा, राजीव जायसवाल, राजेश त्रिपाठी सहित कई प्रमुख संत और गणमान्य उपस्थित रहे।गुरु पूर्णिमा का यह पर्व गुरु-शिष्य परंपरा की गरिमा को और मजबूत करते हुए भारतीय संस्कृति व सनातन धर्म की व्यापकता को दर्शाता है।

एक भी घर नल जल से नहीं रहे वंचित

» विधायक ने अनुपस्थित कर्मियों से मंगा जवाब

बीस सूत्री की बैठक में दाखिल- खारिज व नल जल के छाये रहे मुद्दे

बीएनएम। बैरिया

प्रखंड मुख्यालय सभागार में गुरुवार को बीस सूत्री की बैठक बैठक के दौरान दाखिल- खारिज व नल जल के मुद्दे छाये रहे। बैठक के दौरान विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की गई। भाजपा के विधायक नारायण प्रसाद ने कहा कि सभी योजनाओं को धरातल पर उतारी जाए। उन्होंने कहा कि लोगों को नल जल मिला है। पीएचईडी के कनीय अभियंता को निर्देश दिया है कि मुख्यमंत्री का यह ड्रीम प्रोजेक्ट है इसे हर घर तक पहुंचना है । एक भी घर नल जल से वंचित नहीं रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि बिजली विभाग के कनीय अभियंता को निर्देश दिया गया है कि अनावश्यक लोगों पर कार्रवाई नहीं करें पहले उनको सलाह दिया जाए ताकि अपना बकाया बिल जमा कर सके और विद्युत चोरी नहीं कर सके अगर वह नहीं मानता है तो उस पर करवाई किया जाए। बीस सूत्री के प्रखंड अध्यक्ष अवध किशोर सिंह ने कहा कि विश सूत्री की पहली बैठक था जिसमें आधा दर्जन से अधिक कर्मियों उपस्थित रहे जिन से स्पष्टीकरण कर उनसे जवाब मांगा जाए जडयू के बैजुआ का पंचायत अध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार यादव ने किसानों को होने वाले समस्याओं का मुद्दा उठाते हुए कहा कि एक बोरा यूरिया कोई किसान ले या 10 बोरा बिना नैनो यूरिया का नहीं दिया जाता है। किसन कोऑर्डिनेटर के द्वारा अपने चाहते लोगों पर ओटीपी भेजकर बीज का वितरण किया जाता है। बैठक में प्रखंड निकास पदाधिकारी कर्मजीत राम, प्रखंड खाद आपूर्ति पदाधिकारी महेंद्र प्रताप सिंह,विद्युत विभाग के कनीय अभियंता राजीव कुमार,प्रखंड प्रमुख पप्पू राम बीस सूत्री के प्रखंड उपाध्यक्ष बृजेश पटेल,प्रमोद सिंह सोहन साहनी मुखिया हरिहर साह, सुरेश चौधरी, सुदर्शन मिश्रा, जदयू के सोहन सहनी समेत अन्य मौजूद थे।

बीस सूत्री के बैठक में शामिल लोग

स्कूली बच्चियों को दी गई खेल सामग्री

बीएनएम। मोतिहारी

रोटरी क्लब मोतिहारी लेक टाउन के तरफ से गुरुवार को जिले के बनकटवा प्रखंड स्थित राजकीय मध्य विद्यालय, धूमनगर के मेधावी बच्चियों के बीच पांच पिंक साइकिल एवं स्कूल के सभी बच्चों को क्रिकेट किट, कैरम बोर्ड, फुटबॉल एवं खेल सामग्री, पौधे देकर पर्यावरण के प्रति जागरूक किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता राजीव कुमार राजू, सचिव कुमार गौरव वरिष्ठ सदस्य देवप्रिया मुखर्जी, आदित्य कुमार सिंह, अरुण कुमार, रोट्रेक्ट अध्यक्ष वंश, सचिव रौनक छाबड़ा की सहभागिता रही।

जिले में 6,354 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराई गई

» सुगौली, पहाड़पुर सहित कई प्रखंडों के किसानों को मिला लाभ

बीएनएम। मोतिहारी/पटना

राज्य में इस वर्ष अब तक सामान्य से कम वर्षा दर्ज की गई है, जिससे कई जिलों में खेती योग्य भूमि की समय पर सिंचाई एक बड़ी चुनौती बनकर उभरी है। ऐसे में, जल संसाधन विभाग, बिहार सरकार द्वारा किसानों की जरूरतों को सर्वोपरि रखते हुए सिंचाई योजनाओं के माध्यम से जल आपूर्ति की सुदृढ़ व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है। इसी कड़ी में हाल ही में पूर्वी चंपारण जिले के विभिन्न प्रखंडों में कुल 6,354 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराई गई है। इसमें तिरहुत नहर अंचल बेतिया के माध्यम से 435 हेक्टेयर एवं तिरहुत नहर अंचल रक्सौल के माध्यम से 5,919 हेक्टेयर भूमि को सिंचाई सुविधा बहाल हुई। इस पहल से पूर्वी चंपारण के सुगौली, पहाड़पुर सहित कई प्रखंडों के हजारों किसान लाभान्वित हो रहे हैं। खरीफ की रोपनी के महत्वपूर्ण समय पर सिंचाई सुविधा की उपलब्धता से न सिर्फ कृषि गतिविधियों को गति मिली है, बल्कि किसानों में भी राहत और विश्वास का वातावरण बना है। जल संसाधन विभाग का यह प्रयास बिहार के कृषि ढांचे को जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों के बीच और अधिक सक्षम बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। विभाग की प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है कि खेतों तक समय पर पानी पहुंचे और किसान निर्बाध रूप से खेती कर सकें।

नगर निगम वासियों को शीघ्र मिलेगी मॉडल टाउनशिप की सुविधाःगरिमा

» वायु प्रदूषण, जल प्रदूषण, जल जमाव की समस्याओं निपटने के लिए खरीदे जा रहे लाखों के उपकरण

» जेम पोर्टल के माध्यम से खरीदारी की जारी निविदाओं पर 18 से 21 जुलाई तक करनी है योग्य विक्रेताओं को दावेदारी

बीएनएम। बेतिया

महापौर गरिमा देवी सिकारिया ने कहा कि नगर निगम क्षेत्र को मॉडल टाउनशिप के रूप में विकसित करने की पहल तेज कर दी गई है। अब नगर निगम क्षेत्र के निवासियों के साथ आगंतुकों को भी वायु प्रदूषण, जल प्रदूषण, मच्छरों के आतंक से मुक्ति दिलाने के साथ स्वच्छ पर्यावरण जैसी बुनियादी सुविधाएं शीघ्र ही मुहैया होने लगेंगी। वही वॉटर फॉगिंग सिस्टम की मशीन हवा से धूल के कणों को हटाकर वायु की गुणवत्ता में सुधार लाया जाता है। महापौर श्रीमती सिकारिया ने बताया कि इस मशीन का उपयोग होने से नगर निगम क्षेत्र के वासियों और आगंतुकों के उपर से वायु प्रदूषण का खतरा कम किया जा सकेगा। इसके साथ ही महापौर ने बताया कि पानी के तेज फव्वारे के द्वारा नगर निगम क्षेत्र में जाम नालों की सफाई के लिए अत्याधुनिक जेट मशीन खरीदने सहित माउंटेड जेटिंग मशीन की खरीद की जा रही है। यह एक ऐसी मशीन है जो उच्च दबाव वाले पानी का उपयोग करके पाइपों और नालियों को साफ करने के लिए डिज़ाइन की गई है। इसके अलावा नगर निगम के सघन शहरी क्षेत्र में सड़कों की सफाई भी उच्च गुणवत्ता वाले सड़क की सफाई मशीन से की जाएगी। इसके लिए एक माउंटेड रोड स्वीपिंग मशीन की खरीद निविदा जारी कर प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इसके साथ महापौर श्रीमती सिकारिया ने बताया कि जल जमाव की आशंका को दूर करने के लिए चार हेवी डीवाटरिंग पंप और मच्छरों की समस्या से नगर निगम वासियों को बचाने के लिए उच्च शक्ति के चार फागिंग मशीन खरीदने की निविदा जेम पोर्टल के माध्यम से जारी कर दी गई है। जिसमें एक शव वाहन और एक डॉग कैचिंग गाड़ी की निविदा भी शामिल है। इसके लिए सक्षम और योग्य विक्रेताओं को अपनी दावेदारी पेश करने के लिए 18 जुलाई और कुछ के लिए 21 जुलाई 2025 की अंतिम तिथि निर्धारित की गई है।

वॉटर फॉगिंग सिस्टम की मशीन से छिडकाव करते कर्मी

संक्षिप्त समाचार

अशोक धाम में उमड़ी शिव भक्तों की भीड़

बीएनएम। लखीसराय । गुरुवार को गुरु पूर्णिमा पर ऐतिहासिक अशोक धाम मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। सुबह से ही लोग मंदिर पहुंचने लगे। भगवान आशुतोष शिव की पूजा में लीन हो गए। बेलपत्र, फूल, दूब, जल और दूध से अभिषेक किया। मंदिर परिसर हर-हर महादेव और ओम नमः शिवाय के जयघोष से गूंजता रहा।श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पेयजल, प्रसाद वितरण और कतारबद्ध दर्शन की व्यवस्था की गई थी। भीड़ को संभालने के लिए स्वयंसेवक लगाए गए। सुरक्षा के लिए पुलिस बल तैनात रहा। मंदिर समिति के अनुसार दिन भर हजारों श्रद्धालुओं ने दर्शन किए। पूजा शांतिपूर्वक संपन्न हुई। श्रद्धालुओं ने कहा कि गुरु पूर्णिमा पर यहां पूजा करने से विशेष फल मिलता है।

एजेंसी नहीं परोस रही रसोई

बीएनएम। जमुई /झाझा। रेफरल अस्पताल में संस्थागत प्रसव हेतु आई महिलाओं को मुफ्त भोजन, पथ्य आहार एंजेसी के द्वारा नही दिए जाने को लेकर अस्पताल के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ अरुण कुमार सिंह के द्वारा सिविल सर्जन को पत्र लिखकर समस्या से अवगत करवाया। सिविल सर्जन को लिखे गए पत्र में बताया गया कि प्रसव के लिए आई महिलाओं को मुफ्त भोजन, पथ्य आहार नही मिल रहा है जिसके कारण महिलाओं को अस्पताल की ओर से मिलने वाली सुविधा एजेंसी के द्वारा पूरी नही की जा रही है। उन्होंने आगे बताता की 13 जून से पहले भोजन और पथ्य आहार दिया जा रहा था लेकिन 13 जून के बाद एजेंसी के द्वारा महिलाओं के बीच सेवा देना बंद कर दिया गया। अस्पताल प्रबन्धक नवनीत कुमार ने एजेंसी के प्रतिनिधि को व्हाट्सएप पर इसकी जानकारी दी गई लेकिन कोई उत्तर नही मिला। जिसके कारण डाइट का एंट्री भाव्या पोर्टल पर नही किया जा रहा है उसके कारण डाइट सेवा बंद है।

वाहन मालिक पर मारपीट की प्राथमिकी दर्ज

बीएनएम। जमुई /झाझा। ट्रक चालक के द्वारा अपने वाहन मालिक के ऊपर मारपीट करने का आरोप लगाकर थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है। इस संदर्भ में बाढ़ रानाबीघा के रहने वाले नीतीश कुमार सिंह ने दर्ज आवेदन में बताया कि धनबाद चिरकुडा के रहने वाले अरुण कुमार मिश्रा उर्फ बाबा का ट्रक चलाता हुं। मेरा मालिक धपरी मोड़ के पास लाकर ट्रक के एक अन्य चालक रवि के बारे में पूछताछ किया। रवि के द्वारा तारापुर के पास वाहन छोड़कर कहीं चले जाने की बात को लेकर मालिक ने मुझे लोहे के चिमटा से मारपीट कर 2800 रुपए ले लिया। थानाध्यक्ष संजय सिंह ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज करने के बाद नामजद के खिलाफ पुलिस कार्रवाई करने में जुट चुकी है।

13 परीक्षा केंद्रों पर होगी सिपाही भर्ती की परीक्षा

बीएनएम। लखीसराय । जिले में सिपाही भर्ती परीक्षा को लेकर प्रशासन ने तैयारियां पूरी कर ली हैं। परीक्षा केंद्रीय चयन पार्षद द्वारा कराई जा रही है। जिले में 13 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। परीक्षा एक ही पाली में होगी। परीक्षा 16, 20, 23, 27, 30 जुलाई और 3 अगस्त को होगी। गुरुवार को जिला शिक्षा पदाधिकारी कार्यालय में बैठक हुई। अध्यक्षता डीईओ यदुवंश राम ने की। सभी केंद्राधीक्षकों और प्रशासनिक अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए गए। परीक्षा में गड़बड़ी रोकने के लिए दंडाधिकारी और पुलिस बल की तैनाती होगी।डीईओ ने बताया कि सभी केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। बायोमेट्रिक जांच होगी। प्रवेश पत्र की सघन जांच की जाएगी। परीक्षार्थियों को एक घंटा पहले केंद्र पर पहुंचना होगा।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले ने विपक्ष की चिंताओं को दी वैधताः एजाज अहमद

बीएनएम। पटनाः राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के प्रदेश प्रवक्ता एजाज अहमद ने कहा है कि सुप्रीम कोर्ट का हालिया फैसला विपक्ष की पहले से उठाई जा रही आशंकाओं को सही साबित करता है। उन्होंने कहा कि नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव और इंडिया गठबंधन पहले दिन से यह सवाल कर रहे थे कि आधार कार्ड, राशन कार्ड और वोटर आईडी जैसे ज़रूरी दस्तावेजों को विशेष मतदाता पुनरीक्षण प्रक्रिया से बाहर क्यों रखा गया।एजाज अहमद ने कहा कि विपक्ष का यह भी सवाल था कि मतदाता सूची में नाम जोड़ने के लिए नागरिकता का प्रमाण क्यों मांगा जा रहा है, जबकि संविधान के अनुसार यह कार्य चुनाव आयोग का नहीं बल्कि गृह मंत्रालय का है, और वह भी केवल न्यायिक प्रक्रिया के तहत। सुप्रीम कोर्ट ने अब स्पष्ट कर दिया है कि चुनाव आयोग किसी व्यक्ति की नागरिकता पर सवाल नहीं उठा सकता, जिससे भाजपा की नीति पर बड़ा सवाल खड़ा हुआ है।राजद प्रवक्ता ने कहा कि यह फैसला गरीबों, शोषितों, दलितों, पिछड़ों और अल्पसंख्यकों के वोट अधिकार की रक्षा करने वाला है।

श्रावणी मेला को लेकर जिला प्रशासन की तैयारी पूरी

बीएनएम। कटिहार। आगामी श्रावणी मेला को लेकर जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने सभी पदाधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित करने हेतु गुरुवार को बैठक की। बैठक में सभी उपस्थित थानाध्यक्ष, प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचलाधिकारी एवं अन्य संबंधित पदाधिकारियों ने अपने-अपने क्षेत्रों के अंतर्गत छोटे, बड़े सभी प्रकार के मंदिरों, गंगा नदी के घाटों की बैरिकेडिंग, शुद्ध पेयजल की उपलब्धता, चेंजिंग रूम की व्यवस्था इत्यादि पर चर्चा की। जिलाधिकारी ने मनिहारी अनुमंडल पदाधिकारी को निर्देश देते हुए कहा कि मनिहारी गंगा नदी के घाट पर विशेष रूप से बैरिकेडिंग, लाइटिंग की व्यवस्था, कांवरिया पथ पर श्रद्धालुओं के लिए बेहतर सुविधाओं की व्यवस्था सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि जिला में शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में श्रावणी सोमवारी मेला को लेकर प्रशासनिक स्तर पर सभी प्रकार की तैयारियां की जा रही हैं। जिला प्रशासन द्वारा विधि व्यवस्था, संधारण को लेकर एहतिहातन सभी आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। जिला साइबर सेल एवं सोशल मीडिया टीम पूरी तत्परता से सोशल मीडिया के सभी पोस्ट पर नजर बनाए रखेगी और किसी भी आपत्तिजनक पोस्ट या अफवाह फैलाकर विधि-व्यवस्था खराब करने का प्रयास करने वालों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी ने जिले के सभी लोगों से अपील की है कि किसी भी भड़काऊ अथवा आपत्तिजनक पोस्ट को फॉरवर्ड करने से बचें और प्रशासन को इसकी जानकारी तुरंत दें।

मोतिहारी पुलिस की लापरवाह आईटी सेल, एसपी के आदेश को भी किया दरकिनार तो उपजा आक्रोश

बीएनएम। मोतिहारी : राकेश कुमार

बेहतर पुलिसिंग के लिए पूरे बिहार मे चर्चित मोतिहारी एसपी स्वर्ण प्रभात के कार्यों को लेकर एक ओर जहां लोग तारीफ़ों के पुल बांधते नहीं थकते, वही अब भी कई ऐसे पुलिस ऑफिसर और कर्मचारी है, जो अपनी लापरवाही, असंवेदनशीलता और जड़ता के कारण मोतिहारी एसपी के अभियानों पर पलीता लगाते नहीं थक रहे है। ताजा मामला मोतिहारी पुलिस के आईटी सेल से जुड़ा है, जिसके लापरवाही से ना केवल एक सम्मानित समाचार पत्र का सम्मान दांव पर लग गया, बल्कि आईटी सेल के इस गैर-जिम्मेदाराना हरक्कत से समाचार पत्र से जुड़े पत्रकार भी सकते मे है। गत 4 जुलाई को मोतिहारी पुलिस ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी किया, जिसमे बताया गया कि एक समाचार पत्र मे छपी खबर के आधार पर घोड़ासहन के एक व्यवसायी सूरज जायसवाल के द्वारा एक प्राथमिकी दर्ज कराई गई है, जिसमे आरोप लगाया गया कि एक स्थानीय पत्रकार द्वारा अखबारों मे गलत और भ्रामक समाचार प्रकाशित करके भया दोहन एवं रंगदारी की मांग की जा रही है । सूरज जायसवाल ने अपने आवेदन मे 'प्रकाशित खबरों' के अखबार का नाम और उसका कटिंग भी जारी किया, उसमे कही भी 'बॉर्डर न्यूज़ मिरर' का ना तो नाम आया और ना ही 'बॉर्डर न्यूज़ मिरर' की कोई भी कटिंग की चर्चा की गई, बावजूद इसके मोतिहारी पुलिस द्वारा अपने प्रेस विज्ञप्ति मे लिखा गया कि आरोपी पत्रकार 'बॉर्डर न्यूज मिरर' का पत्रकार है। जबकि वह पत्रकार पूर्व मे बॉर्डर न्यूज मिरर और मुख्य धारा के कई दैनिक अखबारों से जुड़ा रहा है, जो वर्तमान मे जिन समाचार पत्रों मे उक्त खबर को प्रकाशित किया गया है, वहाँ से जुड़े है। क्योंकि खबरे वहाँ उक्त पत्रकार के नाम के साथ ही छपी है । मामला जब मोतिहारी एसपी के संज्ञान मे दिया गया तो वे त्वरित कार्रवाई करते हुये आईटी सेल एवं अन्य को प्रेस विज्ञप्ति मे सुधार करने का आदेश दिया, लेकिन छह दिन बीत जाने के बाद भी ना तो उक्त प्रेस विज्ञप्ति मे कोई सुधार किया गया और ना ही पुलिस व्हाट्सअप ग्रुप और मोतिहारी पुलिस पेज पर ही इसकी कोई सूचना दी गई, जबकि मोतिहारी पुलिस के आईटी सेल वाले फोन करने पर सिर्फ आश्वासन की घूंट पिलाते रहे। मोतिहारी एसपी स्वर्ण प्रभात के आदेश के बाद भी आईटी सेल के कर्मचारी किसके दबाव मे कार्य कर रहे है यह जांच का विषय है। मामले को मोतिहारी एसपी सहित पुलिस उप महानिरीक्षक, चंपारण प्रक्षेत्र बेतिया प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया को भी लिखित मे सूचित करते हुये अखबार के मानहानि को लेकर कानूनी रास्ते अख्तियार करने पर विचार किये जा रहे है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने किया गुरूदक्षिणा कार्यक्रम समारोह आयोजित

बीएनएम। सहरसा

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने गुरू पूर्णिमा के अवसर पर गुरुवार को शंकर चौक स्थित विवाह भवन में गुरुदक्षिणा समारोह आयोजित किया।इस अवसर पर मुख्य शिक्षक सुभाष अग्रवाल व नगर कार्यवाह श्रवण कुमार के निर्देशन मे सामूहिक गीत, सुभाषित, अमृत वचन,एकल गीत के पश्चात उत्तर बिहार के सह प्रांत प्रचारक प्रवीर कुमार नें बौद्धिक देते हुए कहा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ तत्व रूपी भगवा ध्वज का गुरूपूजन अपने स्थापना काल सें करता आया है। संघ का मानना है कि राष्ट्र का गुरू सजीव नही हो सकता है, क्योंकि व्यक्ति का मानसिक संतुलन, नैतिक पतन या स्खलन कभी भी हो सकता है।इसलिए तत्व के रुप में भगवा ध्वज को स्थापित किया।उन्होने कहा कि सत्ययुग में भगवान सूर्य की उपासना की गई जिसका रंग भगवा है।वही वर्तमान वैज्ञानिकों के गॉड पार्टिकल में जो पहला प्रकाश निकला वह भी भगवा रंग का था।भारतीय संस्कृति सदैव यज्ञमय रहा है। यज्ञ में ज्वाला का प्रतीक है डॉक्टर हेडगवार ने अपने कठिन साधना से अपना हर मांस गला कर इसे स्थापित किया।जिसके कारण बड़ी संख्या में स्वयंसेवक अपने प्राणों की चिंता ना करते हुए हंसते-हंसते राष्ट्र कार्य में लगे हुए हैं।

एबीवीपी का 77वां स्थापना दिवस उत्साहपूर्वक संपन्न

» कस्तूरबा विद्यालय में शिक्षण और खाद्य सामग्री का वितरण

बीएनएम। अरेराज

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (ABVP) ने अरेराज में अपने 77वें स्थापना दिवस को सेवा, समर्पण और छात्र कल्याण की भावना के साथ मनाया। इस अवसर पर एबीवीपी के कार्यकर्ताओं ने कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय का दौरा कर स्कूली छात्राओं के बीच कॉपी, कलम, पेंसिल, बिस्कुट एवं अन्य शिक्षण-सहायक सामग्री का वितरण किया। यह आयोजन केवल स्थापना दिवस का औपचारिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने और शिक्षा के प्रति उनके उत्साह को बढ़ाने का एक प्रभावशाली प्रयास था। स्कूली छात्राओं के चेहरों पर उभरी खुशी और उनके उत्साह ने आयोजन की सार्थकता को प्रमाणित कर दिया। कार्यक्रम की अगुवाई एबीवीपी के कॉलेज अध्यक्ष आशु पाण्डेय ने की, जिनके साथ राजाबाबू सिंह और कार्यकर्ता भोलू कुमार भी सक्रिय रूप से शामिल रहे। पूर्व कार्यकर्ता राजन तिवारी, प्रिंस चौबे, मन्नु गिरी, अंकित सिंह और दीपक कुमार ने भी कार्यक्रम में अपनी अहम भागीदारी निभाई। सभी कार्यकर्ताओं ने मिलकर छात्राओं को न सिर्फ सामग्री दी, बल्कि उन्हें आत्मविश्वास, अनुशासन और आगे बढ़ने की प्रेरणा भी दी। छात्राओं से संवाद के दौरान एबीवीपी सदस्यों ने शिक्षा के महत्व, स्वावलंबन और राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका पर भी प्रकाश डाला। कार्यक्रम के समापन पर विद्यालय प्रशासन ने एबीवीपी की इस पहल की सराहना करते हुए इसे समाज के प्रति युवा नेतृत्व की सकारात्मक सोच बताया। एबीवीपी का यह सेवा भाव निश्चित रूप से समाज में शिक्षा और सशक्तिकरण के क्षेत्र में प्रेरणादायक कदम माना जा रहा है।

आधुनिक युग मे कंप्यूटर शिक्षा अत्यंत आवश्यकः सांसद

» एसएसबी डीआईजी एस सुब्रमण्यम,व कार्यवाहक कमांडेंट संजय रावत ने मोमेंटो व बुके देकर सांसद व विधायक का किया स्वागत

बीएनएम। रक्सौल

एसएसबी सीमा सुरक्षा के साथ -साथ सामाजिक दायित्वों का भी निर्वहन कर रही। सीमावर्ती क्षेत्रों में सेवा सुरक्षा व बंधुत्व का भाव भी जागृत कर रही है। उक्त बातें सांसद संजय जायसवाल ने 47वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल रक्सौल पनटोका द्वारा आयोजित निशुल्क 30 दिवसीय बेसिक कंप्यूटर कोर्स का शुभारंभ करते हुवे कही। उन्होंने कहा की भविष्य में नौकरी करने या किसी भी तरह का कॉम्पिशन की तैयारी करने के लिये इस आधुनिक युग में कंप्यूटर शिक्षा अत्यंत आवश्यक है। कार्यक्रम में पहुचने पर एसएसबी डीआईजी एस सुब्रमण्यम, कार्यवाहक कमांडेंट संजय रावत ने सांसद डॉ संजय जायसवाल व बिधायक प्रमोद कुमार सिन्हा को बुके व मोमेंटो देकर स्वागत किया। डीआईजी एस सुब्रह्मण्यम ने कहा की सीमावर्ती युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से ये कार्यकम चलाया जा रहा है। कंप्यूटर शिक्षा न सिर्फ उनको तकनीकी ज्ञान देगा बल्की उनके आत्म विश्वास रोजगार की क्षमता और सामाजिक शसक्तीकरण को मजबूती प्रदान करेगा।इस कार्यक्रम के तहद 20 छात्र/छात्राओ को 30 दिन का निशुल्क कंप्यूटर शिक्षा दिया जा रहा है। इस मौके पर उप कमांडेंट नवीन कुमार ,बिहार भाजपा मुख्यालय सह प्रभारी इंजीनियर जितेंद्र कुमार,जिला महामंत्री अजय पटेल, भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य गुडडू सिंह,सांसद प्रतिनिधि राजकिशोर राय, भाजपा जिला उपाध्यक्ष मनीष दुबे, मंडलध्यक्ष रिंकू पांडेय सहित कई लोग मौजूद थे।

जमुई : हवन पूजन का भव्य आयोजन

बीएनएम। जमुई / झाझा

हवन पूजन में शामिल श्रद्धालु

गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर झाझा स्थित गायत्री शक्तिपीठ में दिव्य और भव्य आयोजन गुरुवार को हुआ। मंदिर परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया गया, जहां श्रद्धा और अनुशासन का अद्भुत संगम देखने को मिला। कार्यक्रम की शुरुआत एक दिन पूर्व यानी बुधवार को 12 घंटे का अखंड गायत्री मंत्र जप के साथ हुआ। इस कार्यक्रम में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने श्रद्धा और भक्ति के साथ भाग लिया।जिसका संचालन ज्ञान प्रकाश ने किया। उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा कि "गुरु पूर्णिमा अनुशासन और श्रद्धा का पर्व है।यह गुरु के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का श्रेष्ठ अवसर है। सनातन संस्कृति में गुरु का स्थान सर्वोच्च माना गया है। वही अज्ञानता के अंधकार से निकालकर शिष्य को ज्ञान की ओर ले जाते हैं। उन्होंने आगे कहा कि आत्मचिंतन, आत्म परिष्कार और आत्मनिर्माण के माध्यम से परमात्मा चेतना का साक्षात्कार कराने वाली दिव्य चेतना शक्ति ही सद्गुरु के रूप में जीवन का पथ प्रदर्शन करती है. इसी दिव्य चेतना स्वरूप गुरु सत्ता के प्रति श्रद्धा और समर्पण को समर्पित गुरु पूर्णिमा महापर्व मनाते हैं।इस युग के तपस्वी गुरुदेव पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य जी का सत्संकल्प "हम बदलेंगे - युग बदलेगा" के मूलमंत्र को जन जन तक पहुंचाना ही हमारा संकल्प है। पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य जी ने गायत्री परिवार की स्थापना कर साधारण जन को दिव्यता की ओर अग्रसर किया. गायत्री मंत्र की दीक्षात के माध्यम से समाज निर्माण की क्रांतिकारी योजना चलाई गई, जिसमें साधना, स्वावलंबन, नारी जागरण,ऊ नशा मुक्ति, पर्यावरण रक्षा जैसे आंदोलन प्रमुख रहे।सद्गुरुदेव श्रीरामत शर्मा आचार्य का मानना था कि व्यक्ति के विचारों का परिवर्तन ही परिवार, समाज और राष्ट्र का उत्थान कर सकता है. इसी उद्देश्य से अखंड ज्योति, युग निर्माण योजना एवं प्रज्ञा अभियान जैसी पत्रिकाओं को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास निरंतर जारी है। मौके पर रामलखन बरनवाल, बमशंकर जी, सूरज बरनवाल, बृजमोहन बरनवाल, लाली बरनवाल, रश्मि देवी, पूजा देवी, नूतन रानी, सोनी देवी, मंजुला देवी,प्रमिला देवी,रेणु देवी उपस्थित थे।

रेल से कटकर युवक की मौत

बीएनएम। योगापट्टी

योगापट्टी प्रखंड क्षेत्र की बलुआ भवानीपुर पंचायत के वार्ड नंबर दो के इंद्रआसन महतो का पंद्रह वर्षीय पुत्र राहुल कुमार दिन मंगलवार को रेलगाड़ी से बेतिया से मोतिहारी जाने के क्रम मे अचानक बेतिया मौझवलिया के बीच मे गिर गया। जहाँ गिरने के दौरान रेलगाड़ी से कटकर उसका मौत हो गई।| परिजनों ने जानकारी देते हुए बताया कि बेतिया मझौलीया के बीच मे गोन्वीलिया गांव हैं जहाँ राहुल गिरा था । गोन्वीलिया गांव के ग्रामीणों ने रेल पुलिस को सूचित कर बताया की ट्रेन से एक युवक गिर कर कट चूका हैं जिसको रेल पुलिस ने अपने कब्जे मे लेकर परिजनों को मृत युवक के मोबाईल से सुचना कर कागजी कार्यवाही करते हुए पोस्टमार्टम के लिए गवर्मेंट मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल बेतिया भेज दिया | मृत राहुल के दो भाई,दो बहन और माँ हैं जिनका रो रोकर बुरा हाल हो चूका हैं मृत राहुल के पिता का भी एक पूर्व मृत्यु हो गया था | इस घटना से गांव में शोक का माहौल बना हुआ हैं ।

मृतक राहुल कुमार का फाइल फोटो

सज धज कर तैयार अशोकधाम मंदिर

आज से शुरू होगा श्रावणी मेला

बीएनएम। लखीसराय

सज धज कर तैयार अशोक धाम मंदिर परिसर

सावन माह के पावन अवसर पर 11 जुलाई शुक्रवार से प्रारंभ होने वाले श्रावणी मेले को लेकर जिले के प्रसिद्ध शिव स्थल अशोक धाम में तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। अशोक धाम मंदिर परिसर में लाइटिंग और भव्य पंडाल बनाया गया हैं। हर वर्ष की भांति इस बार भी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के भीड़ उमड़ने की संभावना को देखते हुए जिला प्रशासन ने व्यापक इंतजामों की रूपरेखा तैयार की है। अशोक धाम मोड़ से लेकर बीएड कॉलेज मोड़ और एनएच-80 के बालगुदर मोड़ से मंदिर तक सड़क किनारे लाइटिंग की गई हैं। जिससे रात्रि में भी श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। श्रद्धालुओं की भीड़ और लंबी कतार को नियंत्रित करने के लिए जगह-जगह बैरिकेटिंग की गई हैं। साथ ही मंदिर परिसर और प्रवेश मार्गों पर श्रद्धालुओं के विश्राम के लिए पंडाल का निर्माण किया गया है। प्रशासन द्वारा भीड़ नियंत्रण, सुरक्षा और श्रद्धालुओं की सुविधा को लेकर कई आवश्यक उपाय किए जा रहे हैं। चिकित्सा व्यवस्था के तहत मेला क्षेत्र में एंबुलेंस, डॉक्टरों की टीम और प्राथमिक उपचार केंद्र की तैनाती सुनिश्चित गई है। इसके अलावा, विभिन्न स्थानों पर पीने के शुद्ध पानी की व्यवस्था के लिए जल टंकी, प्याऊ और वाटर कूलर लगाए गये हैं। ट्रस्ट के सचिव डा कुमार अमित ने बताया कि स्वच्छता पर विशेष ध्यान देते हुए मंदिर मार्गों और परिसर में अस्थायी शौचालयों का निर्माण कराया जा रहा है। महिला एवं पुरुष श्रद्धालुओं के लिए अलग-अलग सुविधा की व्यवस्था की जा रही है। श्रावणी मेला के दौरान लाखों श्रद्धालु जलाभिषेक के लिए अशोक धाम पहुंचते हैं। इसलिए प्रशासन की ओर से यातायात नियंत्रण पर रोक लगाया गया है, जिसमें पार्किंग क्षेत्र, वन-वे ट्रैफिक और आवश्यक मार्ग परिवर्तन जैसे उपाय शामिल हैं। मेला क्षेत्र में पुलिस बल, महिला पुलिस और सादे लिबास में विशेष निगरानी दल की तैनाती की गई हैं। साथ ही सीसीटीवी कैमरे से हर गतिविधि पर नजर रखी जाएगी। जिला प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि वे प्रशासन द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों का पालन करें और श्रावणी मेले को शांतिपूर्ण एवं श्रद्धा के वातावरण में सफल बनाने में सहयोग करें।

श्रावणी मेला 2025 का भव्य शुभारंभ, अरेराज में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

बीएनएम। अरेराज : उज्ज्वल मिश्रा

बिहार का काशी कहे जाने वाला अरेराज स्थित ऐतिहासिक बाबा सोमेश्वर नाथ धाम में श्रावणी मेला 2025 का शुभारंभ श्रद्धा, भक्ति और प्रशासनिक गरिमा के अद्भुत समन्वय के साथ हुआ। श्रावण मास के पहले दिन और गुरु पूर्णिमा के शुभ अवसर पर आयोजित उद्घाटन समारोह में जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल, पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात एवं स्थानीय विधायक सुनील मणि त्रिपाठी ने संयुक्त रूप से विधिवत दीप प्रज्वलित कर मेले की शुरुआत की। तीनों अतिथियों ने समस्त जिलेवासियों को श्रावण मास की शुभकामनाएं दीं और जिले की प्रगति, सुख-शांति और समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर बाबा सोमेश्वर नाथ के मंदिर में पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद लिया गया। मंदिर परिसर हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयघोष से गूंज उठा। उद्घाटन के बाद जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने मेला परिसर का निरीक्षण किया। भीड़ प्रबंधन, सुरक्षा व्यवस्था, पेयजल, चिकित्सा, स्वच्छता और यातायात नियंत्रण से संबंधित तैयारियों का जायजा लिया गया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो और मेला शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित रूप से संपन्न हो। मेले के उद्घाटन अवसर पर अरेराज अनुमंडल पदाधिकारी अरुण कुमार, डीसीएलआर, प्रशिक्षु आईएएस सह सहायक समाहर्ता, महंथ रविशंकर गिरी, नगर पंचायत अध्यक्ष, प्रखंड विकास पदाधिकारी आदित्य नारायण दीक्षित, अंचलाधिकारी, थाना प्रभारी विभा कुमारी सहित अन्य अधिकारीगण और स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए प्रशासन द्वारा व्यापक स्तर पर प्रबंध किए गए हैं। मंदिर समिति की ओर से भंडारे, रुद्राभिषेक, शिव चालीसा, भजन संध्या और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला शुरू हो चुकी है। स्थानीय कलाकारों द्वारा प्रस्तुत शिव-पार्वती विवाह, शिव तांडव और सावन की झांकियों ने श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। महंत रविशंकर गिरी ने बताया कि मेला पूरे सावन मास तक चलेगा। प्रत्येक सोमवार को विशेष पूजा, कथा, रुद्राभिषेक और विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। जिला प्रशासन और मंदिर समिति ने राज्यभर से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए पूरी योजना और समर्पण के साथ तैयारियां की हैं। श्रावणी मेला 2025 का यह आयोजन सिर्फ धार्मिक ही नहीं, बल्कि प्रशासनिक कुशलता और सांस्कृतिक समरसता का भी जीवंत उदाहरण बनकर सामने आया है। श्रद्धा और व्यवस्था का यह संगम निश्चित ही अरेराज को एक नई पहचान दिलाने वाला है।

मतदाता सूचियों की अद्यतन जरूरी

निर्वाचन आयोग छह राज्यों में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण की कवायद की तैयारी में है। तर्क है कि मतदाता सूची कई कारणों से बदलती रहती हैं। इसलिए इनका अद्यतन होना जरूरी है। विपक्षी दलों को इसमें बड़ी संख्या में मतदाताओं को मताधिकार से वंचित किए जाने की आशंका हो रही है। आयोग ने कहा कि वोटर सूची बदलाव मतदाताओं की मौत, प्रवासन, लोगों के स्थानांतरण और 18 वर्ष के नये मतदाताओं के जुड़ने के कारण होता है। संविधान का अनुच्छेद 326 निर्वाचक बनने के लिए पात्रता निर्दिष्ट करता है। केवल 18 वर्ष से अधिक उम्र के भारतीय नागरिक और संबंधित निर्वाचन क्षेत्र के निवासी ही निर्वाचक के रूप में पंजीकृत होने के पात्र हैं। आयोग का कहना है कि उसने बिहार की 2003 की मतदाता सूची अपलोड कर दी है। इसमें 4.96 करोड़ मतदाताओं का विवरण शामिल है। 2003 की सूची में शामिल लोग अपना गणना फार्म जमा करते समय साक्ष्य के रूप में इसका उपयोग कर सकते हैं। अब कुल मतदाताओं में से लगभग 60 प्रतिशत को कोई दस्तावेज जमा नहीं करना होगा। उन्हें 2003 की मतदाता सूची से अपना विवरण सत्यापित करना होगा। तर्क है कि चुनाव से पहले जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 और मतदाता पंजीकरण नियम, 1960 के नियम 25 के अनुसार मतदाता सूची में संशोधन अनिवार्य है। इस कवायद से विपक्षी दलों में खलबली है। ये दल इसे अपने समर्थक मतदाताओं के नाम सूची से हटाए जाने की कवायद के रूप में देख रहे हैं। टीएमसी को तो लगता है कि यह केंद्र सरकार की विशेष गहन पुनरीक्षण के जरिए गुपचुप तरीके से एनआरसी (राष्ट्रीय नागरिक पंजी) लाने की कुटिल चाल है। बिहार में विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया) ने इस पुनरीक्षण का कड़ा विरोध करने का फैसला किया है। उसने इसे विधानसभा चुनाव में भाजपा के नेतृत्व वाले राजग गठबंधन की मदद का प्रयास बताया है। राजद नेता तेजस्वी यादव का तर्क है कि आयोग पुनरीक्षण को लेकर इतना ही गंभीर था तो उसे लोक सभा चुनाव के तुरंत बाद इसे करना चाहिए था। मतदाताओं से ऐसे दस्तावेज मांगे जा रहे हैं, जो बहुत कम लोगों के पास ही हो सकते हैं।

विश्व की नज़रें ट्रंप-मस्क की तगड़ी भिड़ंत और ज़ुबानी जंगबाजी पर लगी

किशन सनमुखदास भावनानीं

वैश्विक स्तरपर पूरी दुनियाँ देख रही थी कि पिछले कुछ महीनो से कैसे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप दुनियाँ में चल रहे अनेको युद्धों को रोकने के लिए रुचि दिखा रहे हैं, जिसमें शामिल हैउनके 12 बार दोहराना कि भारत-पाक युद्ध विराम उन्होंने करवाया,सीरिया से प्रतिबंध हटाना,रूस यूक्रेन युद्ध विराम में रुचि,ईरान इजरायल में युद्ध विराम सहित इस दिशा में अनेकों कार्य कर रहे हैं। हालांकि इसके बावजूद युद्ध विराम देशों में तनाव तल्ख़ बढ़ी हुई है, परंतु उनकी कोशिशों को रेखांकित करना होगा, उनको नोबेल शांति पुरस्कार की उम्मीद को भी रेखांकित करना होगा। हालांकि इस पुरस्कार के दावेदार अनेकों लोग अनेकों वर्षों से वैश्विक शांति पर काम कर रहे हैं, जिसमें उन्होंने अपनी पूरी जिंदगी समर्पित कर दी है।अभी 1जुलाई 2025 को अमेरिका में एक तरह से ट्रंप-मस्क के बीच भिड़ंत जुबानी शाब्दिक जंगबाजी एक तरह से गृहयुद्ध से गिर गए हैं।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि जिस दोस्ती के साथ ट्रंप-मस्क चुनाव में जनता का विश्वास अर्जित कर जीत हासिल किए व अमेरिका को मेकिंग ग्रेट अमेरिका अगेन के वादे के विपरीत तगड़ी भिड़ंत कर जुबानी जंग बाजी कर अमेरिका के मतदाताओं का विश्वास भंग करके माहौल खराब करने की ओर अग्रसर कर अमेरिका की राजनीतिक, आर्थिक स्थिति सहित अपने रुतबे को कम कर दुनियाँ में कम करने से बेहतर रहेगा कि आपसी समझौता कर स्थिति को गंभीरता की ओर जाने से बचने की जरूरत है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे,ट्रंप-मस्क की लड़ाई,अमेरिकी राजनीति, अर्थव्यवस्था और वैश्विक प्रभाव के लिए महत्वपूर्ण दुष्टपरिणाम ला सकती है-जनहित में मतभेद सुलझाना जरूरी। साथियों बात अगर हम ट्रंप-मस्क के टकराव को राजनीतिक आर्थिक दृष्टिकोण से देखें तो, यह एक दिलचस्प प्रश्न है !अमेरिका में ट्रंप और मस्क के बीच का विवाद एक राजनीतिक और आर्थिक शक्ति के टकराव का प्रतीक है।डोनाल्ड ट्रंप, एक शक्तिशाली राजनीतिक व्यक्तित्व हैं, जिनके पास एक मजबूत समर्थक आधार है। उनकी राजनीतिक शक्ति और प्रभाव को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। दूसरी ओर, मस्क एक सफल उद्योगपति और व्यवसायी हैं,जिनके पास अरबों डॉलर की संपत्ति है। उनकी कंपनियां, जैसे कि टेस्ला और स्पेसएक्स, विश्व स्तरपर प्रसिद्ध हैं और उनके पास एक मजबूत आर्थिक आधार है। इस विवाद में, यह कहना मुश्किल है कि किसकी शक्ति अधिक प्रभावी होगी। लेकिन यहाँ कुछ बातें हैं जिन पर विचार किया जा सकता है:ट्रंप की राजनीतिक शक्ति और समर्थक आधार उनके लिए एक मजबूत पक्ष हो सकता है।मस्क की आर्थिक शक्ति और उनकी कंपनियों की वैश्विक पहुंच उनके लिए एक मजबूत पक्ष हो सकती है।हालांकि, यह भी ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि अमेरिका में न्यायपालिका और मीडिया की स्वतंत्रता भी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है इस विवाद के निपटारे में।ट्रंप और मस्क के बीच विवाद का अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर कुछ प्रभाव पड़ सकता है (1) बाजार की अस्थिरताः टेस्ला और अन्य कंपनियों के शेयरों की कीमतों में उतार-चढ़ाव हो सकता है,जिससे बाजारकी अस्थिरता बढ़ सकती है। (2) निवेश पर प्रभावः यदि विवाद बढ़ता है, तो निवेशकों का विश्वास कम हो सकता है,जिससे निवेश में कमी आ सकती है।(3) आर्थिक विकास पर प्रभावः यदि विवाद का समाधान नहीं निकलता है, तो यह अमेरिकी अर्थव्यवस्था के विकास को प्रभावित कर सकता है। (4) रोजगार पर प्रभावः यदि टेस्ला जैसी कंपनियों को नुकसान होता है, तो इससे रोजगार के अवसरों पर भी प्रभाव पड़ सकता है हालांकि, यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि अमेरिकी अर्थव्यवस्था बहुत बड़ी और विविध है, और एक विवाद का इसके समग्र प्रदर्शन पर बहुत अधिक प्रभाव नहीं पड़ने की संभावना है। साथियों बात अगर हम ट्रंप-मस्क की तगड़ी भिड़ंत व जुबानी जंगबाजी की करें तो,मस्क और ट्रम्प के बीच कर छूट और खर्च में कटौती को लेकर वाकयुद्ध फिर से शुरू हो गया है। मस्क का कहना है कि वह एक नई राजनीतिक पार्टी बना सकते हैं। ट्रम्प ने टेस्ला के सीईओ पर इलेक्ट्रिक वाहन सब्सिडी को लेकर हमला बोला है। मस्क ने रिपब्लिकन सीनेटरों द्वारा पारित किए गए,बिल की आलोचनाकी। उनका कहना है कि इससे नौकरियां खत्म हो जाएंगी और उभरते उद्योग पिछड़ जाएंगे। ट्रम्प ने मस्क पर इलेक्ट्रिक व्हीकल सब्सिडी को लेकर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि मस्क को इतिहास में सबसे ज्यादा सब्सिडी मिल सकती है। सब्सिडी के बिना उन्हें अपना कारोबार बंद करके दक्षिण अफ्रीका वापस जाना पड़ सकता है। संभवतः अमेरिका के पिछले राष्ट्रपति चुनाव में ट्रंप के खास सिपाहसालार रहे मस्क को अब ट्रम्प के फैसले रास नहीं आ रहे हैं? इन दोनों के बीच विवाद बढ़ता जा रहा है। यह विवाद टैक्स में छूट और खर्चों में कटौती को लेकर है। मस्क ने रिपब्लिकन पार्टी के बिल की आलोचना की है। उन्होंने कहा कि यह बिल नौकरियों को खत्म कर देगा। यह नए उद्योगों को भी नुकसान पहुंचाएगा। मस्क ने एक्स पर लिखा कि यह बिल रिपब्लिकन पार्टी के लिए राजनीतिक आत्महत्या होगा। सीनेट में इस बिल पर लंबी बहसचली व बिल पारित हो गया,मस्क ने कहाथा कि वह अगले साल कांग्रेस के उन सदस्यों को हटाने के लिए काम करेंगे जो इस बिल को पास करेंगे। कुछ घंटे बाद, मस्क ने एक और पोस्ट में उन्होंने लिखा था,अगर यह बिल पास हो जाता है, तो अगले दिन अमेरिका पार्टी का गठन किया जाएगा।उन्होंने आगे कहा,हमारे देश को डेमोक्रेट - रिपब्लिकन से अलगएक पार्टी के विकल्प की जरूरत है ताकि लोगों को वास्तव में अपनी बात रखने का मौका मिले। मस्क के इस पोस्ट को एक्सः पर 3.2 करोड़ बार देखा गया।डोनाल्ड ट्रम्प ने ट्रुथ सोशल पर लिखा कि मस्क जानते हैं कि वे ईवी जनादेश के खिलाफ हैं। लोगों को इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने के लिए मजबूर नहीं किया जाना चाहिए। ट्रम्प ने लिखा,एलन को शायद इतिहास में किसी भी इंसान से ज्यादा सब्सिडी मिलती है, और बिना सब्सिडी के एलन को शायद अपना कारोबार बंद करके दक्षिण अफ्रीका वापस जाना पड़ेगा।राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि इससे देश के लिए कुछ लागत बचत हो सकती है। उन्होंने पोस्ट किया,कोई और रॉकेट लॉन्च, सैटेलाइट या इलेक्ट्रिक कार उत्पादन नहीं होगा और हमारे देश के बहुत सारे पैसे बचेंगे। शायद हमें डीओजीई को इसपर अच्छी तरह से ध्यान देना चाहिए? बहुत सारे पैसे बचाए जा सकते हैं! साथियों बात अगर हम 1 जुलाई 2025को देर रात सीनेट में पारित वन बिग ब्यूटीफुल बिल की करें तो, ट्रंप का वन बिग ब्यूटीफुल बिल सीनेट से मामूली अंतर के साथ पास हो गया। इस बिल को पास कराने में उपराष्ट्रपति जेडी वेंस अहम कड़ी साबित हुए। ट्रंप के महत्वाकांक्षी कर छूट और खर्च कटौती वाले इस विधेयक के पक्ष और विपक्ष में 50-50 वोट पड़े, जिसके बाद वेंस ने अपना वोट डालकर इसे मंजूरी दिलाई। मुकाबला तब देखने को मिला, जब सीनेट के बहुमत नेता जॉन थून ने दो उदारवादियों को अपने पक्ष में कर लिया, जो डेमोक्रेट्स के पक्ष में झुके हुए थे। ट्रंप ने अमेरिकी कांग्रेस को बिल पारित करने के लिए 4 जुलाई की समय सीमा दी है, जिसमें सैन्य खर्च में 150 बिलियन डॉलर की वृद्धि और अमेरिकी राष्ट्रपति के सामूहिक निर्वासन कार्यक्रम का प्रावधान है।बिल में ट्रंप के पहले कार्यकाल के कर कटौती में 4.5 ट्रिलियन डॉलर का विस्तार करने का प्रावधान है।इसमें मेडिकेड स्वास्थ्य बीमा कार्यक्रम पर 1.2 ट्रिलियन डॉलर तक की कटौती का प्रस्ताव है। इससे लगभग 8.6 मिलियन कम आय वाले और विकलांग अमेरिकियों को उनके स्वास्थ्य कवरेज से वंचित होना पड़ सकता है। यह विधेयक हरित ऊर्जा टैक्स क्रेडिट सेअरबों डॉलर भी वापस लेताहै,पर्यावरण अधिवक्ताओं ने ईवी कर क्रेडिट को वापस लेने पर चिंता जताई है। गैर-अमेरिकी नागरिकों द्वारा विदेशों में पैसे भेजने पर टैक्स लगाने का प्रावधान है। प्रारंभिक प्रस्तावःइस बिल में मूल रूप से 5पेर्सेंट रेमिटेंस टैक्स लगाने का प्रस्ताव था, लेकिन बाद में इसे संशोधित करके 3.5पेर्सेंट कर दिया गया, जैसा कि टीवी9 भारतवर्ष में बताया है। वर्तमान संशोधनःसीनेट ने अब इसे और कम करके 1पेर्सेंट कर दिया है। इससे भारत में आने वाले रेमिटेंस में भी वृद्धि होने की संभावना है, बिजनेस स्टैंडर्ड ने रिपोर्ट किया है। इस बिल के लागू होने से, भारत में रेमिटेंस में वृद्धि होने और प्रवासियों को आर्थिक रूप से लाभ होने की उम्मीद है। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि ट्रंप का वन बिग ब्यूटीफुल बिल सीनेट में पारित बनाम मस्क की नई राजनीतिक पार्टी अमेरिका पार्टी,विश्व की नज़रें ट्रंप-मस्क की तगड़ी भिड़ंत और जुबानी जंगबाजी पर लगी ट्रंप- मस्क की लड़ाई,अमेरिकी राजनीति, अर्थव्यवस्थाऔर वैश्विक प्रभाव के लिए महत्वपूर्ण दुष्टपरिणाम ला सकती है-जनहित में मतभेद सुलझाना ज़रूरी है।

आधार पर चुनाव आयोग की 'आधारहीन' दलीलें

राकेश कुमार

सुप्रीम कोर्ट में मतदाता सत्यापन को लेकर हुई सुनवाई ने चुनाव आयोग की कार्यशैली और उसकी संवैधानिक समझ पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। अदालत ने आयोग की उन दलीलों को न सिर्फ खारिज किया, बल्कि उन्हें लोकतांत्रिक प्रक्रिया के खिलाफ करार दिया, जिनमें आधार कार्ड को पहचान के वैध दस्तावेज के रूप में स्वीकार करने से इनकार किया गया था। कोर्ट ने स्पष्ट कहा कि चुनाव आयोग नागरिकता तय करने वाली संस्था नहीं है, बल्कि उसका काम केवल वैध मतदाताओं को पहचान पत्र जारी करना है। आयोग का तर्क था कि आधार नागरिकता का प्रमाण नहीं है, इसलिए वह इसे मतदाता पहचान के लिए पर्याप्त नहीं मानता। यह बात अदालत को कतई स्वीकार नहीं हुई। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आधार एक कानूनी रूप से मान्य और व्यापक रूप से प्रयुक्त दस्तावेज है, जिसे सरकार की कई महत्वपूर्ण योजनाओं, सेवाओं और संस्थाओं द्वारा पहचान प्रमाण के रूप में स्वीकार किया जाता है। फिर चुनाव आयोग इसे मतदाता सत्यापन की प्रक्रिया से कैसे बाहर रख सकता है? दरअसल, यह मामला केवल एक दस्तावेज को मान्यता देने या न देने का नहीं है, बल्कि लोकतांत्रिक अधिकारों, नागरिक की भागीदारी और संवैधानिक संस्थाओं की भूमिका को लेकर है। भारत जैसे विशाल लोकतंत्र में, जहां करोड़ों नागरिकों की पहचान और पंजीकरण की प्रक्रिया अब भी चुनौती बनी हुई है, वहां यदि तकनीकी आधार पर आम मतदाता को मताधिकार से वंचित किया जाता है, तो यह लोकतंत्र की बुनियाद को ही हिला देता है। चुनाव आयोग के इस रुख ने देशभर में यह सवाल खड़ा कर दिया है कि जब आधार कार्ड से बैंक खाता खोला जा सकता है, पासपोर्ट बन सकता है, सब्सिडी ली जा सकती है, पेंशन और छात्रवृत्ति प्राप्त की जा सकती है — तब आखिर मतदाता पहचान के लिए यह दस्तावेज क्यों अस्वीकार्य है? इससे भी अधिक चिंताजनक बात यह है कि आयोग ने राशन कार्ड जैसे दस्तावेजों को भी मान्यता देने से इनकार किया है, जो देश के गरीब और सीमांत वर्ग के लिए एकमात्र सरकारी पहचान का साधन होते हैं। जब चुनाव आयोग पहचान के उन दस्तावेजों को दरकिनार करता है, जो सरकार की अन्य योजनाओं में मान्य हैं, तो यह निष्पक्षता की भावना के विरुद्ध जाता है। सुप्रीम कोर्ट ने आयोग की सीमाओं को स्पष्ट करते हुए यह भी रेखांकित किया कि नागरिकता का निर्धारण गृह मंत्रालय और संबद्ध कानूनी प्रक्रियाओं का विषय है। चुनाव आयोग को इस भूमिका में हस्तक्षेप करने की कोई आवश्यकता नहीं है। उसकी जिम्मेदारी केवल यह सुनिश्चित करना है कि योग्य नागरिकों को मतदाता सूची में पंजीकृत किया जाए और उन्हें पहचान पत्र प्रदान किया जाए। सुनवाई के दौरान कोर्ट का यह कहना कि चुनाव आयोग "नागरिकता तय करने वाली संस्था नहीं है", अपने आप में एक गूढ़ राजनीतिक और संवैधानिक संदेश है। यह टिप्पणी न सिर्फ आयोग की भूमिका को सीमित करने के लिए थी, बल्कि यह भी बताने के लिए थी कि कोई भी संस्था संविधान से ऊपर नहीं है। यहां आयोग की 'चुनिंदा गंभीरता' भी चर्चा के योग्य है। जब पहचान की बात आती है, तो आयोग आधार को यह कहकर खारिज कर देता है कि इससे फर्जी पहचान भी बन सकती है। लेकिन जब यही आधार अन्य सभी सार्वजनिक व्यवस्थाओं में स्वीकृत है, तो आयोग इसे अपवाद क्यों मानता है? क्या यह तकनीकी आपत्ति वास्तव में एक संस्थागत हठधर्मिता नहीं है? मतदाता की पहचान लोकतंत्र की आत्मा है। यदि कोई वास्तविक भारतीय नागरिक केवल इसलिए मतदान से वंचित हो जाए कि उसके पास वह दस्तावेज़ नहीं है जिसे आयोग मान्यता देता है, तो यह संविधान की मूल भावना के साथ अन्याय है। सुप्रीम कोर्ट का हस्तक्षेप इसीलिए जरूरी था — ताकि लोकतंत्र की इस बुनियादी इकाई को संस्थागत हठधर्मिता से बचाया जा सके। यह भी विचारणीय है कि आयोग के इस रुख से सबसे ज्यादा प्रभावित वे लोग होंगे जो ग्रामीण, वंचित, निर्धन या सीमांत समुदायों से आते हैं। उनके पास पासपोर्ट या ड्राइविंग लाइसेंस नहीं होते। उनके पास यदि कुछ होता है तो राशन कार्ड, आधार कार्ड या मनरेगा जॉब कार्ड — जिनसे उनकी सरकारी पहचान बनती है। यदि आयोग इन्हें ही मान्यता न दे, तो सवाल उठता है कि लोकतंत्र में भागीदारी का उनका अधिकार आखिर कैसे सुनिश्चित होगा? अब जब अदालत ने यह स्पष्ट कर दिया है कि आधार और राशन कार्ड को मतदाता सत्यापन में शामिल किया जाना चाहिए, तो आयोग को तुरंत अपनी नीति की समीक्षा करनी चाहिए। उसे यह समझना होगा कि मतदाता सत्यापन केवल तकनीकी प्रक्रिया नहीं, बल्कि संवैधानिक दायित्व है। इसे सरल, सुलभ और पारदर्शी बनाया जाना चाहिए, न कि तकनीकी पेचीदगियों के हवाले कर देना चाहिए। 28 जुलाई को इस मामले की अगली सुनवाई निर्धारित है। यह सिर्फ कानूनी सुनवाई नहीं, बल्कि चुनाव आयोग की साख और उसकी संवैधानिक समझ की अग्निपरीक्षा होगी। यदि आयोग अब भी अपने पूर्ववत रुख पर कायम रहता है, तो यह अदालत और आम जनमानस — दोनों के साथ टकराव की स्थिति होगी। इस पूरी प्रक्रिया से यह स्पष्ट हो गया है कि चुनाव आयोग की दलीलें जितनी तकनीकी प्रतीत होती हैं, वे असल में लोकतंत्र की मूल भावना से दूर हैं। आज की तारीख में आधार को नकारना केवल एक दस्तावेज़ की अस्वीकृति नहीं, बल्कि आम नागरिक के अधिकार को चुनौती देना है। चुनाव आयोग को यह याद रखना होगा कि उसका काम मतदाता को प्रणाली में शामिल करना है, बाहर धकेलना नहीं। यह जिम्मेदारी केवल नियमों की व्याख्या से नहीं, बल्कि संवैधानिक मंशा को समझकर पूरी की जा सकती है। सुप्रीम कोर्ट ने आयोग को जो चेतावनी दी है, वह दरअसल लोकतंत्र की उस चेतावनी घंटी की तरह है जो यह कह रही है कि यदि संस्थाएं अपनी सीमा नहीं समझेंगी, तो न्यायपालिका को हस्तक्षेप करना ही पड़ेगा। यदि चुनाव आयोग इस संदेश को समझने और आत्मसात करने में विफल रहा, तो वह सिर्फ एक संस्था के रूप में नहीं, बल्कि जनता के विश्वास के रूप में भी 'आधारहीन' होता चला जाएगा।

(लेखक- बॉर्डर न्यूज़ मिरर में उप संपादक हैं।)

मेष राशिः आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहने वाला है। आज शांति से कामकाज निपटाने की कोशिश करेंगे और पुरानी देनदारी भी निपटा सकते हैं। आज जीवनसाथी की भावनाओं को समझने में बहुत हद तक आपको सफलता मिलेगी। आज आप धैर्य और समझदारी बनाएं रखें। आज परिवार के कामों में आपका पैसा लग सकता है।

वृष राशिः आज आपका बढ़ा हुआ मनोबल किसी जरूरी काम में आपको सफलता दिलाएगा और आपका दिन बेहतर रहेगा। माता-पिता के सहयोग से कारोबार के क्षेत्र में वृद्धि होगी। आपकी आर्थिक स्थिति स्ट्रांग रहेगी। आज आपको कुछ मनोरंजक कार्य करने का मौका मिल सकता है। बच्चे आपके साथ कोई गेम खेलने की जिद कर सकते हैं।

मिथुन राशिः आज कामकाज के मामले में परिस्थिति बेहतर रहेगी। आप खुद को सेहतमंद महसूस करेंगे और आपका दिन उत्तम रहेगा। जीवनसाथी के साथ किसी धार्मिक स्थल की यात्रा पर जा सकते हैं, इससे आपके रिश्तों की मजबूती बरकरार रहेगी। आपकी आर्थिक स्थिति भी मजबूत होगी। माता-पिता आपकी मेहनत से खुश रहेंगे। आपको सभी काम में उनका सपोर्ट भी मिलेगा।

कर्क राशिः आज आपका दिन ठीक – ठाक रहेगा। काम में जीवनसाथी की सलाह फायदेमंद हो सकती है। वित्तीय मामलों में समझदारी से काम लेना आपके लिए बेहतर रहेगा। बिजनेस में नई परियोजनाओं को लागू करने से आपको फायदा हो सकता है। माता-पिता की सेहत में सुधार होगा।

सिंह राशिः आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। परिवार संग किसी धार्मिक स्थान पर दर्शन के लिए जायेंगे, पारिवारिक प्रेम बढ़ेगा। आज शांत मन से किसी काम को करेंगें तो जल्द ही पूरा हो जाएगा। कोई पारिवारिक निर्णय लेने से पहले घर के बड़े बुजुर्ग की राय जरूर लें। बिजनेसमैन आज अपने व्यापारिक फायदे के लिए कुछ बड़े बदलाव कर सकते हैं, जो आने वाले समय में बढ़िया लाभ कराएगें।

कन्या राशिः आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। आपको किस्मत का पूरा-पूरा सहयोग प्राप्त होगा। आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी और आपको कारोबार में धन लाभ होगा। आपकी किसी ऐसे व्यक्ति से मुलाकात हो सकती है, जो भविष्य में आपको काफी फायदा दिलायेगा। आज आपकी क्रिएटिविटी से लोग प्रभावित होंगे। आपके रिश्तेदार आपका पूरा सहयोग करेंगे।

तुला राशिः आज आपके जीवन में कुछ नए बदलाव हो सकते हैं। कारोबार में आपको शुभ समाचार मिल सकता है। आज आपकी किसी पुराने मित्र से मुलाकात होगी। आप जीवनसाथी के साथ कहीं घूमने का प्लान भी बना सकते हैं, रिश्ते बेहतर बने रहेंगे। आज आपको अपना ध्यान अपने लक्ष्य पर बनाये रखना चाहिए। किसी की मदद मिलने से आप जीवन में आगे बढ़ सकते हैं।

वृश्चिक राशिः आज आपका दिन शानदार रहेगा। अपने जीवन को बेहतर बनाने के लिये आज आपको कुछ अच्छे मौके मिल सकते हैं। संतान की ओर से आज आपको खुशखबरी मिल सकती है। घर के किसी काम को लेकर आप कोई बड़ा फैसला कर सकते हैं। पारिवारिक जीवन में सुख-शांति बनी रहेगी। दफ्तर में कोई उलझा हुआ मामला आज सुलझ सकता है।

धनु राशिः आज का दिन आपके लिए दिन शुभ होने वाला है। किसी काम को पूरा करने के लिए आज आप कड़ी मेहनत करेंगे। आज आप घर की जिम्मेदारियों को अच्छी तरह निपटा सकते हैं और काम - काज निपटाने में आप बहुत हद तक सफल भी रहेंगे। आज अपनी तरफ से हर मामले पर आपको सकारात्मक रहना होगा साथ ही धैर्य और विनम्रता रखें।

मकर राशिः आज आपका दिन लकी रहेगा। कुछ मामलों में मेहनत ज्यादा रहेगी और नतीजा भी आपको बढ़िया मिलेगा। नए काम के लिए किसी से सलाह भी ले सकते हैं। नए इनकम सोर्स भी मिल सकते हैं। आज आपकी कामकाज के प्रति रुचि और बढ़ सकती है। आज आपको धन लाभ होने के योग बन रहे हैं।

कुम्भ राशिः आज का दिन आपके लिए उत्तम होने वाला है। आज आपके धार्मिक गतिविधि में भी शामिल होने के योग बन रहे हैं। आज अपनों के साथ बातचीत या सलाह करने से फायदा हो सकता है। आज आप जरूरी काम और संबंधों के बारे में विचार करेंगे और नयी योजना बनाएंगे। आज आप दूसरों की जरूरतों और भावनाओं को लेकर सेंसिटिव हो सकते हैं।

मीन राशिः आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में आ रही रुकावटों का रास्ता आज आप ढूंढ लेंगे। आप अपनी ऊर्जा को अच्छे कामों में लगायेंगे। आप किसी सामाजिक काम में हाथ बंटा सकते हैं। इस राशि के सरकारी कर्मचारियों को लाभ मिलने की संभावना है। जीवनसाथी के साथ रिश्तों में सामंजस्य बना रहेगा , बच्चों के लिए आज का दिन बढ़िया है।

जनसंख्या नीति नहीं, जन-जागरुकता है असली समाधान

योगेश कुमार गोयल

जनसंख्या संबंधित समस्याओं पर वैश्विक चेतना जागृत करने के लिए प्रतिवर्ष 11 जुलाई को विश्व जनसंख्या दिवस मनाया जाता है। भारत के संदर्भ में देखें तो तेजी से बढ़ती आबादी के कारण ही हम सभी तक शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी जरूरतों को पहुंचाने में पिछड़ रहे हैं। बढ़ती आबादी की वजह से ही देश में बेरोजगारी की समस्या विकराल हो चुकी है। हालांकि विगत दशकों में विभिन्न योजनाओं के माध्यम से नए रोजगार जुटाने के कार्यक्रम चलाए गए लेकिन बढ़ती आबादी के कारण ये सभी कार्यक्रम ऊंट के मुंह में जीरा ही साबित हुए। बढ़ती जनसंख्या के कारण ही देश में आबादी और संसाधनों के बीच असंतुलन बढ़ता जा रहा है। वास्तविकता यही है कि विगत दशकों में देश की जनसंख्या जिस गति से बढ़ी, उस गति से कोई भी सरकार जनता के लिए आवश्यक संसाधन जुटाने की व्यवस्था करने में सफल हो ही नहीं सकती थी। आज देश की बहुत बड़ी आबादी निम्नस्तर का जीवन जीने को विवश है। देश में करीब 40 प्रतिशत आबादी आजादी के बाद से ही गरीबी के आलम में जी रही है। गरीबी में जीवन गुजार रहे ऐसे बहुत से लोगों की यही सोच रही है कि उनके यहां जितने ज्यादा बच्चे होंगे, उतने ही ज्यादा कमाने वाले हाथ होंगे किन्तु यह सोच वास्तविकता के धरातल से परे है। लगातार बढ़ती महंगाई के जमाने में परिवार बड़ा होने से कमाने वाले हाथ ज्यादा होने पर जितनी आय बढ़ती है, उससे कहीं ज्यादा जरूरतें और विभिन्न उत्पादों की कीमतें बढ़ जाती हैं, जिनकी पूर्ति कर पाना सामर्थ्य से परे हो जाता है। इसलिए जनसंख्या नियंत्रण कार्यक्रमों की सफलता के लिए सर्वाधिक जरूरी यही है कि घोर निर्धनता में जी रहे ऐसे लोगों को परिवार नियोजन कार्यक्रमों के महत्व के बारे में जागरूक करने की ओर खास ध्यान दिया जाए क्योंकि जब तक इस कार्यक्रम में इन लोगों की भागीदारी नहीं होगी, तब तक लक्ष्य की प्राप्ति संभव नहीं है। देश में जनसंख्या वृद्धि का मुकाबला करने के लिए पिछले काफी समय से कुछ कड़े कानून बनाने की मांग हो रही है लेकिन इस दिशा में कुछ राज्य सरकारें दो से ज्यादा बच्चों वाले परिवारों को सरकारी नौकरी तथा स्थानीय निकाय चुनावों में उम्मीदवारी से अयोग्य अघोषित करने जैसे जिस तरह के उपायों पर विचार कर रही हैं, उन्हें तर्कसंगत नहीं माना जा सकता। हालांकि जनसंख्या वृद्धि मौजूदा समय में गंभीर चुनौती है लेकिन ऐसे उपायों को संवैधानिक नजरिये से भी तर्कसम्मत नहीं माना जाता। चीन में 1980 से पहले केवल एक बच्चा पैदा करने की अनुमति थी, जिसका उल्लंघन करने पर दम्पति को न केवल सरकारी योजनाओं से वंचित कर दिया जाता था बल्कि सजा भी दी जाती थी लेकिन वहां यह नीति सफल नहीं हुई। इसीलिए चीन सरकार ने 2016 में इस नीति में बदलाव कर दो बच्चों की अनुमति दी और बाद में तीन बच्चों की अनुमति देनी पड़ी। चीन की तानाशाही सरकार ने ऐसा क्यों किया, इसके कारणों को समझना भी जरूरी है। दरअसल वहां लोगों की सामान्य प्रजनन दर में निरन्तर गिरावट आ रही है और कुछ विशेषज्ञों के मुताबिक यही स्थिति भारत में भी होनी है। जनसंख्या में स्थायित्व और कामकाजी युवाओं की स्थिर संख्या के लिए महिलाओं की सामान्य प्रजनन दर 2.1 होनी चाहिए और चीन में यह दर निरन्तर गिर रही है। 1970 में चीन में यह

दर 5.8 थी, जो 2015 में घटकर 1.6 और 2020 में केवल 1.3 ही रह गई जबकि बुजुर्गों की आबादी लगातार बढ़ती गई। नेशनल ब्यूरो ऑफ स्टेटिस्टिक्स (एनबीएस) के अनुसार आने वाले समय में आबादी में अधिक उम्र वालों की संख्या बढ़ने से संतुलित विकास और जनसंख्या को लेकर दबाव बढ़ेगा। 1982 में हुई जनगणना में चीन की जनसंख्या में 2.1 फीसदी की सबसे ज्यादा वृद्धि दर्ज की गई थी लेकिन उसके बाद जनसंख्या में लगातार गिरावट दर्ज की गई, जिसके लिए वहां की कम्युनिस्ट सरकार द्वारा अपनाई गई दशकों पुरानी वन चाइल्ड पॉलिसी को जिम्मेदार माना जाता है। विगत एक दशक में चीन की जनसंख्या करीब सात करोड़ बढ़ी लेकिन बुजुर्गों की संख्या बढ़ने से चीन के लिए अलग ही समस्या उत्पन्न होने लगी है। दरअसल चीन को आशंका है कि अगले दस वर्षों में उसकी जनसंख्या में गिरावट आएगी, जिससे कामगारों की संख्या में कमी आने से उसकी खपत भी घटेगी।

एनबीएस के आंकड़ों के मुताबिक चीन को जिन जनसांख्यिकीय संकट का सामना करना पड़ा था, वह और गहरा होने की उम्मीद थी, इसीलिए चीन को अपनी जनसंख्या नीति में बदलाव करने पर विवश होना पड़ा। जहां तक भारत की बात है तो यहां 1994 में महिलाओं की सामान्य प्रजनन दर 3.4 थी, जो घटकर 2015 में 2.2 रह गई थी यानी सामान्य के करीब। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार भारत की जनसंख्या 2050 तक बढ़ने के बाद से गिरनी शुरू हो जाएगी और 2100 तक पहुंचते-पहुंचते सामान्य प्रजनन दर केवल 1.3 ही रह जाएगी। इसका अर्थ है कि तब अधिकांश परिवारों में केवल एक ही बच्चा होगा और भारत उसी स्थिति में खड़ा होगा, जिसमें वन चाइल्ड पॉलिसी के बाद चीन खड़ा हुआ और उसे विगत सात वर्षों में दो बार अपनी जनसंख्या नीति में बड़ा परिवर्तन करना पड़ा। इसलिए टू चाइल्ड पॉलिसी जैसे कानूनों के जरिये जनसंख्या नियंत्रण की कोशिशों को व्यावहारिक नहीं माना जा रहा बल्कि इसके लिए डराने-धमकाने वाले कानूनों के बजाय लोगों में जागरुकता पैदा किया जाना सबसे जरूरी है। बगैर कड़े कानूनों के देश के ऐसे राज्यों में जनसंख्या वृद्धि दर में कमी आई है, जहां साक्षरता दर ज्यादा है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार भारत में गरीब महिलाओं की प्रजनन दर करीब 3.2 है जबकि सम्पन्न महिलाओं में यह दर केवल 1.5 पाई गई है।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

लॉर्ड्स टेस्टः इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का किया फैसला

भारतीय टीम में बुमराह की वापसी, प्रसिद्ध कृष्णा बाहर

लंदन, भारत और इंग्लैंड के बीच तीसरे टेस्ट मुकाबले की शुरुआत आज क्रिकेट के मक्का कहे जाने वाले लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड में हुई, जहां इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया है। स्टोक्स ने टॉस के बाद कहा, "हम पहले बल्लेबाजी करेंगे। शुरुआत में पिच में थोड़ी मदद हो सकती है, लेकिन यह एक बेहतरीन टेस्ट सीरीज़ रही है और हम पूरी तरह तैयार हैं। लॉर्ड्स में खेलना हर किसी को पसंद है।"

वहीं भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने बताया कि वे पहले गेंदबाजी ही करना चाहते थे। उन्होंने कहा, "मैं सुबह तक दुविधा में था कि क्या करना है। पहले गेंदबाजी करना बेहतर रहता, क्योंकि पहले सेशन में गेंदबाजों को मदद मिलती है लेकिन हमारी टीम के सभी खिलाड़ियों ने पिछले मैच में योगदान दिया और वही हमारी बात हुई थी। मैं खुद को बल्लेबाज के तौर पर अच्छी स्थिति में महसूस कर रहा हूं।" गौरतलब है कि दूसरे टेस्ट में भारत ने बर्मिंघम में शानदार जीत दर्ज की थी। शुभमन गिल ने दो शतकीय पारियां खेलते हुए 269 और 161 रन बनाए थे। मोहम्मद सिराज ने एक पारी में 6 विकेट लिए थे, जबकि आकाश दीप ने मैच में 10 विकेट लेकर शानदार प्रदर्शन किया था। अब बारी लॉर्ड्स की है, जहां भारत का रिकॉर्ड मिला-जुला रहा है। यहां भारत और इंग्लैंड के बीच अब तक 19 टेस्ट हुए हैं, जिसमें से इंग्लैंड ने 12 और भारत ने सिर्फ 3 मुकाबले जीते हैं। हालांकि भारत ने अपनी पिछली तीन लॉर्ड्स यात्राओं (2014, 2018, 2021) में दो जीत दर्ज की हैं। इस मुकाबले के लिए भारतीय टीम में एक बदलाव किया गया है – जसप्रीत बुमराह की वापसी हुई है, जिन्हें प्रसिद्ध कृष्णा की जगह शामिल किया गया है।

दोनों टीमों की प्लेइंग इलेवनः

भारत- यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, करुण नायर, शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (विकेटकीपर), नीतीश कुमार रेड्डी, रवींद्र जडेजा, वाशिंगटन सुंदर, आकाश दीप, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज। इंग्लैंड- जैक क्रॉली, बेन डकेट, ओली पोप, जो रूट, हैरी ब्रूक, बेन स्टोक्स (कप्तान), जेमी स्मिथ (विकेटकीपर), क्रिस वोक्स, ब्रायडन कार्स, जोफ्रा आर्चर, शोएब बशीर।

हॉकी इंडिया ने की सीनियर पुरुष राष्ट्रीय कोचिंग कैंप के लिए 33 सदस्यीय कोर ग्रुप की घोषणा

14 जुलाई से 7 अगस्त तक बेंगलुरु में चलेगा ट्रेनिंग कैंप

बेंगलुरु, हॉकी इंडिया ने गुरुवार को सीनियर पुरुष राष्ट्रीय टीम के कोचिंग कैंप के लिए 33 सदस्यीय संभावित कोर ग्रुप की घोषणा की है। यह कैंप 14 जुलाई से 7 अगस्त तक स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (साई) बेंगलुरु में आयोजित किया जाएगा। कैंप आगामी दो महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट— ऑस्ट्रेलिया दौरा और हीरो एशिया कप 2025 (राजगीर, बिहार में 29 अगस्त से 7 सितंबर तक) के लिए अहम तैयारी का हिस्सा होगा। गौरतलब है कि एशिया कप का विजेता सीधे एफआईएच हॉकी वर्ल्ड कप 2026 के लिए क्वालिफाई करेगा। हालांकि भारत का एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2024/25 में प्रदर्शन निराशाजनक रहा, जहां टीम ने आठ में से केवल एक मुकाबला जीता और लीग में आठवें स्थान पर रही, लेकिन कोचिंग स्टाफ आने वाले टूर्नामेंटों को ध्यान में रखते हुए टीम को दोबारा संवारने और कमजोरियों पर काम करने को लेकर पूरी तरह प्रतिबद्ध है। टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने कहा, "प्रो लीग में यूरोप दौरे पर हमने देखा कि हमारी टीम ने हर मुकाबले में अच्छा खेल दिखाया, लेकिन मैच को फिनिश नहीं कर पाई—जो हमने भुवनेश्वर में बेहतर तरीके से किया था। यह एक अहम पहलू है जिस पर हमें ध्यान देने की जरूरत है। इस कैंप का उद्देश्य हमारी 'डिफेंड टू काउंटर टू विन' रणनीति को और मजबूत करना है। वर्ल्ड कप क्वालिफिकेशन का सीधा मौका हमारी सबसे बड़ी प्रेरणा है और हम पूरी तैयारी के साथ एशिया कप में उतरेंगे।" कैंप के लिए चुने गए खिलाड़ी इस प्रकार हैंः गोलकीपर्स- कृष्ण बहादुर पाठक, सूरज करकेरा, पवन और मोहिथ एच.एस.। डिफेंडर्स - सुमित, अमित रोहिदास, जुगराज सिंह, नीलम संजीप शेष, हरमनप्रीत सिंह, जर्मनप्रीत सिंह, संजय, यशदीप सिवाच और अमनदीप लकड़ा। मिडफील्डर्स- राजकुमार पाल, नीलकांत शर्मा, हार्दिक सिंह, राजिंदर सिंह, मनप्रीत सिंह, विवेक सागर प्रसाद, शमशेर सिंह, मोइरांगथेम रबिचंद्र सिंह, पूवनना चंदूरा बोबी और विष्णुकांत सिंह। फॉरवर्ड- गुरजंत सिंह, अभिषेक, शिलानंद लकड़ा, मनदीप सिंह, दिलप्रीत सिंह, सुखजीत सिंह, आदित्य अर्जुन लग्गे, सेल्वम कार्थी, उत्तम सिंह और अंगद बीर सिंह।

इंडियन ओपन पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 11-12 जुलाई को, बेंगलुरु करेगा मेजबानी

262 से अधिक भारतीय पैरा एथलीटों की भागीदारी, बेंगलुरु के कांतेरवा स्टेडियम में 11-12 जुलाई तक चलेगा टूर्नामेंट

बेंगलुरु, दो बार के पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी सुमित अंतिल शुक्रवार से यहां कांतीरवा स्टेडियम में शुरू हो रही इंडियन ओपन पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में मुख्य आकर्षण होंगे, जो सितंबर में होने वाली विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए अंतिम क्वालीफाइंग प्रतियोगिता है। दो दिवसीय चैंपियनशिप में 262 से अधिक भारतीय पैरा-एथलीट शीर्ष सम्मान के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे, जो नई दिल्ली में आयोजित होने वाली विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए भारतीय दल के लिए अंतिम चयन मंच के रूप में काम करेगा।

अंतिल के अलावा प्रवीण कुमार (ऊंची कूद, टी 44), दो बार के पैरालंपिक रजत पदक विजेता योगेश कथुनिया (डिस्कस थ्रो, एफ 56), धर्मबीर नैन (क्लब थ्रो, एफ 51), रिंकू हुड्डा (भाला फेंक, एफ 46) और सिमरन (100 मीटर और 200 मीटर, टी 12) एक्शन में होंगे। पैरालंपिक कमेटी ऑफ इंडिया(पीसीआई) के अध्यक्ष देवेंद्र झाझरिया ने कहा, "7वीं इंडियन ओपन पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप सिर्फ एक प्रतियोगिता नहीं है, बल्कि यह भारतीय पैरा एथलीटों की दृढ़ता, उत्कृष्टता और राष्ट्रीय गौरव का उत्सव है। नई दिल्ली 2025 वर्ल्ड चैंपियनशिप के लिए यह इवेंट बेहद अहम है। मैं सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देता हूं और उनके अद्भुत प्रदर्शन को देखने के लिए उत्सुक हूं।"

चैंपियनशिप का मुख्य कार्यक्रम 11 जुलाई (पहला दिन):

पुरुषों की 100मीटर, 400 मीटर, 1500 मीटर रेस (टी 11 से लेकर T64 कैटेगरीज) शॉट पुट, डिस्कस थ्रो, जैवलिन थ्रो, क्लब थ्रो

लंबी कूद, ऊंची कूद महिलाओं की 100 मीटर और 400 मीटर स्पर्धाएं डिस्कस, जैवलिन और शॉट पुट थ्रो इवेंट्स 12 जुलाई (दूसरा दिन): पुरुषों की 5000 मीटर, 800 मीटर, 200 मीटर दौड़ महिलाओं की 1500 मीटर, 200 मीटर रेस महिलाओं की जैवलिन, डिस्कस और शॉट पुट स्पर्धाएं पुरुषों की लंबी कूद और डिस्कस थ्रो नोटः कार्यक्रम समय व आयोजन में परिवर्तन संभव है।

फीफा रैंकिंग में भारत को बड़ा झटका, 6 स्थान गिरकर 133वें पायदान पर पहुंची भारतीय टीम

नई दिल्ली, भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम को फीफा रैंकिंग में तगड़ा झटका लगा है। गुरुवार को जारी हुई ताज़ा फीफा रैंकिंग में भारत छह स्थान फिसलकर 133वें स्थान पर पहुंच गया है। यह भारत की पिछले लगभग एक दशक में सबसे निचली रैंकिंग है। इससे पहले भारत दिसंबर 2016 में 135वें स्थान पर था। 2023 के अंत तक भारत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन ट्रॉफियां जीती थीं और टॉप 100 में जगह बना ली थी। लेकिन उसके बाद से प्रदर्शन में लगातार गिरावट देखने को मिली है। पहले 2023 एएफसी एशियन कप के ग्रुप स्टेज से बाहर होना, फिर 2026 फीफा वर्ल्ड कप क्वालिफायर्स से भी जल्दी बाहर हो जाना टीम के गिरते ग्राफ का हिस्सा बना। इगोर स्टिमैक की जगह मैनोलो मार्केज़ को हेड कोच नियुक्त किया गया, लेकिन कोचिंग बदलाव का भी कोई सकारात्मक असर नहीं पड़ा। भारत पिछले 16 महीनों से कोई प्रतिस्पर्धी मैच नहीं जीत पाया है। हाल ही में हांगकांग से 0-1 की हार के साथ एएफसी एशियन कप 2027 क्वालिफायर्स के तीसरे राउंड से बाहर हुआ और इसी के साथ मार्केज़ ने भी कोच पद से इस्तीफा दे दिया। bभारत की यह 6 स्थानों की गिरावट, इस बार की वैश्विक रैंकिंग में दूसरी सबसे बड़ी गिरावट है। भारत के साथ चीनी ताइपे, केमैन द्वीप, सेंट किट्स और नेविस, अल साल्वाडोर और स्लोवाकिया ने भी इतनी ही गिरावट दर्ज की है। कांगो, मालदीव, हैती और जमैका वे चार देश हैं जिनकी रैंकिंग भारत से भी ज्यादा, 7 स्थान गिरी है। भारत के लिए यह रैंकिंग न सिर्फ एक चेतावनी है, बल्कि आने वाले समय में रणनीति, कोचिंग और खिलाड़ियों के चयन को लेकर बड़े फैसलों की ज़रूरत की ओर भी इशारा करती है।

व्यापार

लगातार दूसरे दिन गिरावट के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स और निफ्टी लुढ़के

बाजार की कमजोरी से निवेशकों को 1.22 लाख करोड़ का नुकसान

नई दिल्ली, घरेलू शेयर बाजार आज लगातार दूसरे दिन गिरावट का शिकार होकर बंद हुआ। आज के कारोबार की शुरुआत बढ़त के साथ हुई थी। बाजार खुलते ही खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक की चाल में कुछ तेजी भी आई। हालांकि थोड़ी देर बाद ही बिकवाली का दबाव बन जाने की वजह से इन दोनों सूचकांकों ने लाल निशान में गोता लगा दिया। दिनभर के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.41 प्रतिशत और निफ्टी 0.47 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुए। आज दिनभर के कारोबार के दौरान रियल्टी, ऑयल एंड गैस और मेटल सेक्टर के शेयरों में लिवाली का जोर बना रहा। दूसरी ओर बैंकिंग, डिफेंस, आईटी और एफएमसीजी सेक्टर के शेयरों में लगातार बिकवाली होती रही। इसके अलावा फार्मास्यूटिकल, ऑटोमोबाइल, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और टेक इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में आज मिला-जुला कारोबार होता रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.28 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। दूसरी ओर, स्मॉल कैप इंडेक्स ने 0.12 प्रतिशत की मजबूती के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब सवा लाख करोड़ रुपये की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 460.17 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी बुधवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 461.39 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 1.22 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया। आज दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,161 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,961 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,062 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 138 शेयर बिना किसी उतार-चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,639 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,196 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,443 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 6 शेयर बढ़त के साथ और 24 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 11 शेयर हरे निशान में और 39 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 122.12 अंक उछल कर 83,658.20 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक 206.20 अंक की मजबूती के साथ की 83,742.28 अंक तक पहुंच गया। हालांकि ये तेजी टिक नहीं सकी। थोड़ी ही देर बाद बाजार में बिकवाली शुरू हो गई, जिसकी वजह से सेंसेक्स की चाल में गिरावट आ गई। लगातार हो रही बिकवाली के कारण ये सूचकांक 401.11 अंक की कमजोरी के साथ 83,134.97 अंक के स्तर तक गिर गया। हालांकि अंत में इंट्रा-डे सेटलमेंट के कारण हुई खरीदारी की वजह से सेंसेक्स निचले स्तर से करीब 55 अंक की रिकवरी करके 345.80 अंक की गिरावट के साथ 83,190.28 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह एनएसई के निफ्टी ने आज 35.55 अंक टूट कर 25,511.65 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक 47.95 अंक की बढ़त के साथ 25,524.05 अंक तक पहुंच गया, लेकिन इसके बाद बाजार में बिकवाली शुरू हो गई। लगातार हो रही बिकवाली के कारण निफ्टी ऊपरी स्तर से 180 अंक से अधिक लुढ़क कर 135.65 अंक की कमजोरी के साथ 25,340.45 अंक तक गिर गया। हालांकि कारोबार के आखिरी वक्त में दिन के सौदों के निपटारे के कारण निफ्टी निचले स्तर से करीब 15 अंक की रिकवरी करके 120.85 अंक की गिरावट के साथ 25,355.25 अंक के स्तर पर बंद हुआ। आज दिनभर के कारोबार के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से मारुति सुजुकी 1.44 प्रतिशत, इंडसइंड बैंक 1.44 प्रतिशत, टाटा स्टील 1.04 प्रतिशत, बजाज फाइनेंस 0.75 प्रतिशत और बजाज फिनसर्व 0.64 प्रतिशत की मजबूती के साथ आज के टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए।

पीएम-किसान से करोड़ों किसान लाभान्वित, 1400 मंडियों को ई-नाम से जोड़ा गयाः पीयूष गोयल

नई दिल्ली, केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि संतुलित उर्वरक उपयोग को बढ़ावा देने के लिए किसानों को 25 करोड़ मृदा हेल्थ कार्ड वितरित किए गए हैं। इसके साथ ही किसान क्रेडिट कार्ड पहल के माध्यम से फसल ऋण सुलभ कराए गए हैं, जबकि 1,400 मंडियों को ई-नाम प्लेटफॉर्म से जोड़ा गया है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की तरफ से गुरुवार को जारी बयान में बताया गया कि पीयूष गोयल ने बुधवार को नई दिल्ली में आयोजित 16वें एग्रीकल्चर लीडरशिप सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि मोदी सरकार ने कृषि क्षेत्र को अपने विकास एजेंडे में निरंतर अग्रिम स्थान दिया है। उन्होंने कहा कि पीएम-किसान सम्मान निधि स्कीम से बड़ी संख्या में किसान परिवारों को लाभ हुआ है। इसके अलावा 1,400 मंडियों को ई-नाम प्लेटफॉर्म से जोड़ा गया है। उर्वरक क्षेत्र में केंद्र सरकार ने किसानों को किफायती दामों पर उर्वरक उपलब्ध कराने के लिए पर्याप्त सब्सिडी प्रदान की है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारतीय किसानों के प्रयासों ने कृषि-निर्यात के मजबूत प्रदर्शन में योगदान दिया है और कृषि, पशुपालन और मत्स्य पालन निर्यात 4 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गया है। कृषक समुदाय ने आत्मनिर्भर भारत के निर्माण और "लोकल से ग्लोबल" के विजन को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। गोयल ने कहा कि डिज़ाइन, ब्रांडिंग और पैकेजिंग में सुधार के साथ-साथ खाद्य प्रसंस्करण के माध्यम से मूल्य संवर्धन, अर्थव्यवस्था में कृषि के योगदान को बढ़ावा देंगे।

केंद्र ने इरेडा बॉन्ड को धारा 54ईसी के तहत कर लाभ का दर्जा दिया

नई दिल्ली, केंद्र सरकार ने सार्वजनिक क्षेत्र की अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं के वित्तपोषण करने वाली कंपनी भारतीय नवीकरणीय ऊर्जा विकास एजेंसी लिमिटेड (इरेडा) के बॉन्ड को आयकर अधिनियम की धारा 54ईसी के तहत कर-बचत का दर्जा प्रदान किया है। ये अधिसूचना 9 जुलाई, 2025 से प्रभावी हो गई है। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय की तरफ से गुरुवार को जारी बयान में बताया गया कि वित्त मंत्रालय के अधीन केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने भारतीय अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी लिमिटेड द्वारा जारी बॉन्ड को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 54ईसी के तहत 'दीर्घकालिक निर्दिष्ट परिसंपत्ति' के रूप में अधिसूचित किया है। यह अधिसूचना 9 जुलाई, 2025 से प्रभावी है। इससे नवीकरणीय ऊर्जा के लिए कम लागत पर धन जुटाने में सुविधा होगी तथा निवेशकों को पूंजीगत लाभ कर में छूट मिलेगी।

बॉन्ड धारक आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 54ईसी के तहत कर छूट के पात्र

मंत्रालय के मुताबिक सीबीडीटी की अधिसूचना के अनुसार पांच वर्षों के बाद भुनाए जाने वाले और अधिसूचना तिथि को या उसके बाद आईआरईडीए द्वारा जारी किए गए बॉन्ड आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 54ईसी के अंतर्गत कर छूट के लिए पात्र होंगे, जो निर्दिष्ट बॉन्ड में निवेश पर पूंजीगत लाभ कर में छूट प्रदान करता है। इन बॉन्ड से प्राप्त राशि का उपयोग विशेष रूप से उन अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं के लिए किया जाएगा, जो अपने परियोजना राजस्व के माध्यम से ऋण चुकाने में सक्षम हैं, और उन्हें ऋण चुकाने के लिए राज्य सरकारों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा।

बॉन्ड्स में निवेश करके 50 लाख रुपये तक के एलटीसीजी पर कर की बचत संभव

नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने बताया कि पात्र निवेशक एक वित्तीय वर्ष में इन बॉन्ड्स में निवेश करके 50 लाख रुपये तक के दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ (एलटीसीजी) पर कर बचा सकते हैं। इरेडा को निधियों की कम लागत का लाभ मिलेगा, जो नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण विकास है और बदले में नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र के तीव्र विकास को समर्थन प्रदान करेगा। मंत्रालय ने कहा कि इस पहल से कर-बचत साधनों की तलाश करने वाले निवेशकों की व्यापक भागीदारी आकर्षित होने और देश में नवीकरणीय ऊर्जा वित्तपोषण इको-सिस्टम को मजबूत करने की उम्मीद है।

सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट, सोना और चांदी की घटी कीमत

नई दिल्ली, घरेलू सर्राफा बाजार में आज मामूली गरिावट का रुख नजर आ रहा है। भाव में गिरावट आने की वजह से आज देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 98,170 रुपये से लेकर 98,320 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 89,990 रुपये से लेकर 90,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी मामूली कमजोरी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 1,09,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 98,320 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 90,140 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 98,170 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 89,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 98,220 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 90,040 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 98,170 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 89,990 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 98,170 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 89,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 98,320 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 90,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 98,220 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 90,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

एली अवराम ने शेयर की हॉट तस्वीरें, लेदर जैकेट में दिखा ग्लैमरस अंदाज़

बॉलीवुड एक्ट्रेस एली अवराम ने अपने नए फोटोशूट की बोल्ड तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर कर फैंस का दिल जीत लिया है. लेदर जैकेट में उनका यह ग्लैमरस अंदाज़ सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है. एली ने अपने पोस्ट के कैप्शन में लिखा, ग्र जो उनकी इस दमदार और सिज़लिंग पर्सनालिटी को बखूबी दर्शाता है. फोटोशूट में एली ने मरून कलर की स्टाइलिश लेदर जैकेट पहनी है, जिसमें उनका कॉन्फिडेंस और एलिगेंस साफ झलक रहा है. ओपन हेयर, स्मोकी आई मेकअप और गोल्डन इयररिंग्स ने उनके लुक को और भी एट्रैक्टिव बना दिया है. फोटोज़ में उनका पोज़ और एक्सप्रेशन फैंस को दीवाना बना रहा है. एली अवराम का यह फोटोशूट इस बात का सबूत है कि वह सिर्फ टैलेंटेड एक्ट्रेस ही नहीं, बल्कि फैशन और स्टाइल की क्वीन भी हैं. कुछ ही घंटों में इस पोस्ट पर हजारों लाइक्स और कमेंट्स आ चुके हैं, जहां फैंस उन्हें स्तब्ध करने वाला और फैशन दिवा जैसे कमेंट्स से नवाज़ रहे हैं. एली की यह तस्वीरें एक बार फिर साबित करती हैं कि उनका हर अंदाज़ फैंस को इम्प्रेस करने में कामयाब रहता है.

मुनव्वर फारुकी के शो में शामिल हुईं खुशी मुखर्जी, बोलीं- मुझे गर्व महसूस हो रहा है

एक्ट्रेस खुशी मुखर्जी ने कमीडियन मुनव्वर फारुकी द्वारा होस्ट किए जाने वाले रियलिटी शो द सोसाइटी में शामिल होने के अनुभव को साझा किया। इस शो में शामिल होने की उत्सुकता जताते हुए खुशी ने कहा, शो में जाना मेरे लिए एक खास एहसास है। इस शो का हिस्सा बनने पर मुझे गर्व महसूस हो रहा है और सच में इंतजार नहीं कर सकती कि लोग मुझे एक नए अंदाज में देखें। पिछले कुछ महीनों में, मैंने लोकप्रियता के अच्छे और बुरे दोनों पहलू देखे हैं। कुछ लोग मेरे लिए मजबूत सहारा बने, लेकिन बहुत सारे लोग ऐसे भी थे, जिन्होंने मुझे नीचे गिराने की कोशिश की। उन्होंने कहा, मैं इन बातों की परवाह किए बिना अपने काम और खुद पर ध्यान दे रही हूं ताकि अपने दर्शकों का मनोरंजन कर सकूं। मुझे शो के बारे में ज्यादा कुछ बताने की इजाजत नहीं है, लेकिन हां, मैं दावे के साथ कह सकती हूं कि यह एक ऐसा शो होगा, जो भारत जैसे देश के लिए बिल्कुल नया होगा। मैं वाकई बहुत उत्साहित हूं और दर्शकों से प्यार और सपोर्ट मिलने की उम्मीद कर रही हूं। बता दें कि मुनव्वर फारूकी जियोहॉटस्टार के शो द सोसाइटी को होस्ट करेंगे। इस शो को कब और कैसे देखा जा सकेगा, इसकी जानकारी अभी आधिकारिक तौर पर सामने नहीं आई है। 7 जुलाई को जियोहॉटस्टार ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर इस शो का टीजर शेयर किया था, जिसमें कुछ लोग रेड कलर की आउटफिट में कैमरे की तरफ बढ़ते दिखाई दे रहे थे। जब वे पास से गुजरे, तो कैमरा मुनव्वर फारूकी पर जूम किया गया, जो टक्सीडो पहने चार लोगों के सामने खड़े थे और उनके चेहरे काले मास्क से ढके हुए थे। टीजर शेयर करते हुए स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म ने लिखा, गेम मास्टर मुनव्वर फारूकी आपका स्वागत करते हैं द सोसाइटी में! थोड़ा सावधान रहिए, यहां के नियम भी इनके जैसे अलग और हटके हैं। द सोसाइटी के अलावा, खबर है कि खुशी मुखर्जी बिग बॉस के अगले सीजन में भी शामिल हो सकती हैं।

फिल्म सरजमीन का पहला गाना वे माहिया हुआ रिलीज, बी प्राक ने लगाए सुर

अभिनेत्री काजोल जल्द ही फिल्म सरजमीन में नजर आएंगी। इस फिल्म में सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम अली खान भी मुख्य भूमिका निभा रहे हैं, वहीं सुपरस्टार पृथ्वीराज सुकुमारन भी इस फिल्म का हिस्सा हैं। कुछ दिन पहले फिल्म का दमदार ट्रेलर रिलीज हुआ था, जिसे काफी पसंद किया गया। अब निर्माताओं ने सरजमीन का पहला गाना वे माहिया जारी कर दिया है, जिसे ब्री प्राक ने अपनी आवाज दी है। गाने के बोल कौसर मुनीर ने लिखे हैं।

सरजमीन के ट्रेलर में सुकुमारन एक फौजी की भूमिका निभा रहे हैं, जो अपनी सरजमीन के लिए कुछ भी कर गुजरने के लिए तैयार हैं। फिल्म में काजोल उनकी पत्नी बनी हैं, वहीं खलनायक के रूप में इब्राहिम पर्दे पर धमाल मचाने के लिए तैयार हैं। सरजमीन का प्रीमियर 25 जुलाई, 2025 को जियो हॉटस्टार पर होगा। इस फिल्म के निर्देशन की कमान बोमन ईरानी के बेटे कायोज ईरानी ने संभाली है, वहीं करण जौहर फिल्म के निर्माता हैं।

बॉक्स ऑफिस पर सितारे जमीन पर का दबदबा बरकरार, पार किया 150 करोड़ रुपये का आंकड़ा

आमिर खान की फिल्म सितारे जमीन पर पिछले काफी समय से चर्चा में है। यह फिल्म रिलीज के पहले दिन से ही कमाल कर रही है। तीसरे सप्ताह में इस स्पोर्ट्स कॉमेडी ड्रामा फिल्म का दबदबा बॉक्स ऑफिस पर बरकरार है। डाउन सिंड्रोम पर आधारित इस फिल्म का कहानी पर दर्शक खूब प्यार लुटा रहे है, जिसका असर इसकी कमाई पर दिख रहा है। आइए जानें सितारे जमीन पर ने 19वें दिन कितने करोड़ रुपये कमाए। बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, सितारे जमीन पर ने अपनी रिलीज के 19वें दिन यानी तीसरे मंगलवार को 1.85 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 151.90 करोड़ रुपये हो गया है। देश में ही नहीं, बल्कि विदेश में सितारे जमीन पर का भी खूब डंका बज रहा है। 90 करोड़ रुपये की लागत में बनी इस फिल्म ने दुनियाभर में इस फिल्म ने अब तक 233.1 करोड़ रुपये कमा लिए हैं। सितारे जमीन पर के निर्देशन की कमान आरएस प्रसन्ना ने संभाली है। आमिर ने खुद इस फिल्म का निर्माण अपनी पूर्व पत्नी किरण राव के साथ मिलकर किया है। सितारे जमीन पर में आमिर की जोड़ी पहली बार अभिनेत्री जेनेलिया डिसूजा के साथ बनी है। जेनेलिया ने फिल्म में आमिर की पत्नी सुनीता का किरदार निभाया है। दोनों की केमिस्ट्री को प्रशंसक काफी पसंद कर रहे हैं। फिल्म में आमिर ने एक बदनाम बास्केटबॉल कोच गुलशन की भूमिका निभाई है।

बॉक्स ऑफिस पर मेट्रो... इन दिनों की कमाई में पांचवें दिन मामूली बढ़ोतरी, काजोल की फिल्म मां की हालत पस्त

सारा अली खान और आदित्य रॉय कपूर की म्यूजिकल रोमांटिक-ड्रामा फिल्म मेट्रो... इन दिनों को सिनेमाघरों में रिलीज हुए एक सप्ताह पूरा होने वाला है। दर्शकों के साथ-साथ समीक्षकों ने भी फिल्म की खूब तारीफ की, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर यह कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकी। औसत शुरुआत के बाद वीकेंड पर इस फिल्म ने अच्छा कारोबार किया। अब मेट्रो... इन दिनों के पांचवें दिन की कमाई के आंकड़े सामने आ गए हैं, जिसमें मामूली बढ़त देखने को मिली। बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, मेट्रो... इन दिनों ने जहां चौथे दिन 2.5 करोड़ रुपये का कारोबार किया था, वहीं रिलीज के पांचवें दिन यह 2.9 करोड़ रुपये कमाने में सफल रही। फिल्म ने 3.5 करोड़ रुपये के साथ बॉक्स ऑफिस पर औसत शुरुआत की थी, वहीं दूसरे दिन इस फिल्म ने 6 करोड़ रुपये और तीसरे दिन 7.25 करोड़ रुपये कमाए। इसी के साथ मेट्रो... इन दिनों ने अब तक भारत में 22.15 करोड़ रुपये जुटा लिए हैं। इस फिल्म में पंकज त्रिपाठी, कोंकणा सेन शर्मा, अली फजल, फातिमा सना शेख, अनुपम खेर और नीना गुप्ता ने भी अहम भूमिका निभाई है। अनुराग बसु न सिर्फ फिल्म के निर्देशक, बल्कि इसके लेखक भी हैं। उन्होंने भूषण कुमार के साथ मिलकर फिल्म के प्रोडक्शन का काम भी संभाला है। मेट्रो इन दिनों अलग-अलग शहरों में रहने वाले अलग-अलग आयु वर्ग के लोगों के प्यार की परतें खोलती है। इस फिल्म की लागत 85 करोड़ रुपये बताई जा रही है। अभिनेत्री काजोल की फिल्म मां को लेकर लोगों के बीच जबरदस्त उत्साह था, लेकिन पर्दे पर आते ही पूरा माहौल ठंडा हो गया। इस फिल्म से निर्माताओं को काफी उम्मीदें थीं, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर यह पहले दिन से ही दर्शकों के लिए तरसती दिख रही है। आलम यह है कि अब दूसरे सप्ताह में ही फिल्म मां का कारोबार लाखों में सिमट गया है। आइए जानें इस फिल्म ने अब तक बॉक्स ऑफिस पर कैसा प्रदर्शन किया। बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म मां ने अपनी रिलीज के 12वें दिन यानी दूसरे मंगलवार को 85 लाख रुपये कमाए। इसी के साथ अब भारत में इस फिल्म की कुल कमाई 33.15 करोड़ रुपये तक पहुंच गई है। फिल्म मां के निर्देशन की कमान विशाल फुरिया ने संभाली है, जिन्हें नुसरत भरूचा की हॉरर फिल्म छोरी और छोरी 2 के लिए जाना जाता है। अजय देवगन इस फिल्म के सह-निर्माता हैं।

लावण्या त्रिपाठी और देव मोहन अभिनीत फिल्म साथी लीलावती का पहला लुक जारी

तातिनेनी सत्या द्वारा निर्देशित और लावण्या त्रिपाठी व देव मोहन अभिनीत फिल्म साथी लीलावती का पहला लुक जारी कर दिया गया है। यह फिल्म आनंदी आर्ट क्रिएशंस द्वारा प्रस्तुत और दुर्गादेवी पिक्चर्स द्वारा निर्मित है। साथी लीलावती एक संवेदनशील विषय पर आधारित है जो रिश्तों में भावनाओं के महत्व और पारिवारिक व्यवस्था के कमजोर होने को दर्शाती है। यह फिल्म पति-पत्नी के बीच के बंधन की कहानी कहती है और रिश्तों को बनाए रखने में भावनाओं के महत्व पर प्रकाश डालती है। निर्देशक तातिनेनी सत्या कबड्डी और एसएमएस (शिव मनसुलो श्रुति) जैसी अपनी पिछली फिल्मों के लिए जाने जाते हैं, और इस बार एक संवेदनशील विषय को दिल से पर्दे पर उतारने की कोशिश कर रहे हैं। फिल्म में लावण्या त्रिपाठी और मलयालम अभिनेता देव मोहन मुख्य भूमिकाओं में हैं, और नागमोहन इसे दुर्गादेवी पिक्चर्स के बैनर तले निर्मित कर रहे हैं। साथी लीलावती के निर्माता एक ऐसी फील-गुड फिल्म बनाने का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं जो दर्शकों के सभी वर्गों को पसंद आए। मिकी जे. मेयर संगीत निर्देशक हैं, बिनेंद्र मेनन छायांकन का काम संभालेंगे और सतीश सूर्या फिल्म का संपादन करेंगे। फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है और पोस्ट-प्रोडक्शन का काम तेज़ी से चल रहा है। साथी लीलावती एक दिल को छू लेने वाली फिल्म होने का वादा करती है जो रिश्तों में भावनाओं के महत्व को दर्शाती है। लावण्या त्रिपाठी लीला के रूप में और देव मोहन सेतु के रूप में नज़र आ रहे हैं। प्रतिभाशाली कलाकारों और क्रू के साथ, यह फिल्म एक मार्मिक और मनोरंजक फिल्म होने की उम्मीद है।

Preliminary report of Ahmedabad accident will be released this week, Boeing will investigate the debris

New Delhi, The first preliminary report of the Air India plane crash in Ahmedabad will be made public this week. The Aircraft Accident Investigation Bureau (AAIB) submitted this report to the Ministry of Civil Aviation on July 8. There will be no conclusion in this report, only information related to the preliminary investigation. At the same time, AAIB officials told the parliamentary committee that they are preparing to send some parts of the plane's wreckage to the original equipment manufacturer (OEM). AAIB Director General GVG Yugandhar said that after the report is prepared, it will be published on the website of the Ministry of Civil Aviation and made available to the public. According to the guidelines set by the International Civil Aviation Organization (ICAO), AAIB has to issue a preliminary report within 30 days of the accident. AAIB has so far held engine failure or any other technical problem responsible for the accident. According to the report, AAIB has told the parliamentary committee that after the successful recovery of the black boxes, they were moved to different planes to ensure safety. AAIB has provided the necessary equipment to analyze the data of the black boxes. Every information is being matched with technical parameters and coordination is being done with ATC. Assistance has been sought from international experts including aircraft manufacturer Boeing. According to the report, investigators are focusing on the engine fuel control switches in the Air India crash case. It is suspected that the fuel control switches in the cockpit may have been installed incorrectly. These switches have 2 settings - run and cutoff. If the plane is in the air and the switch is moved from run to cutoff, the fuel supply to the engine will stop and it will stop immediately. On June 12, Air India's AI-171 flight from Ahmedabad to London crashed into BJ Medical College. 241 passengers, including former Gujarat Chief Minister Vijay Rupani, 2 pilots and 10 crew members died in the accident. Only one passenger survived. At the same time, 30 people died on the ground. The accident is under investigation. After DNA, more than 250 bodies have been handed over to the relatives.

Applications invited under Prime Minister Micro Food Industry Upgradation Scheme

Korba: Online applications have been invited from beneficiaries for micro food processing enterprises under the Pradhan Mantri Micro Industry Development Scheme. The entrepreneur should be above 18 years of age to apply under the scheme. The entrepreneur himself will have to contribute 10 percent of the project cost. Entrepreneurs will be eligible for a grant of 35 percent of the project cost. Applications will have to be made with the necessary documents like Aadhaar card, PAN card, ration card, bank passbook. For detailed information related to the scheme, the office of General Manager, District Trade and Industry Center, Korba can be contacted during office hours. In this, beneficiaries will have to apply online on the website www.krsht.in. In this scheme, all types of food items such as products based on forest produce, Chana-Murra, Bhujia, Petha, Papad, Pickle, Badi Namkeen, Mixture, Bakery manufacturing, Rice Mill, Kodo Mill, Poha Mill, Flour Mill, Spice Industry etc. will be provided benefits under the scheme. General Manager, District Trade and Industry Center Korba informed that the main objective of this scheme is to provide credit linked capital subsidy to micro food processing single entrepreneurs, FPO, self-help groups and cooperatives through banks, under which there is a provision to provide credit linked capital subsidy at the rate of 35 percent of the eligible project cost but maximum Rs 10 lakh to both new and existing entrepreneurs. The beneficiary's own contribution will be 10 percent and the remaining amount will be given as loan from the bank.

Gujarat Gambhira bridge accident: Death toll rises to 15, three bodies recovered today

Vadodara, The death toll in the horrific bridge accident near Vadodara in Gujarat on Wednesday has risen to 15. During the search and rescue operation, three more bodies were recovered from the spot on Thursday. It is said that 4 people are still missing and their search is on. The Gambhira bridge on the Mahisagar river near Mujpur in Anand district collapsed on Wednesday. More than four vehicles fell into the river in this accident. The death toll in the accident has risen to 15. At the same time, three people were rescued safely after the accident. At present, the search for 4 people in the river is still going on. Regarding the Gambhira bridge accident and rescue operations, Vadodara Collector Anil Dhamelia said, with the recovery of three more bodies today, the death toll has risen to 15. 4 people are still missing. NDRF and SDRF are conducting search and rescue operations up to 4 kms. Two vehicles are stuck in the mud at the accident site. We are taking information from people about those vehicles. It is raining and the water level of the river has risen. Regarding the truck hanging from the bridge, Anil Dhamelia said, this is an empty tanker. If we shake it, it may fall. Efforts are being made to remove the tanker from there. Rescue work is going on under the bridge. Chief Minister Bhupendra Patel expressed grief over the accident and announced assistance to the families of the victims who lost their lives and the injured. Chief Minister Patel wrote in a post on social media, the state government stands with full condolences with every family affected by this accident. The state government will provide assistance of Rs 4 lakh to the heirs of each person who lost his life in the accident. Also, assistance of Rs 50000 will be provided to each person injured in the accident. Apart from this, all medical arrangements will also be made by the state government.

Death toll due to drinking poisonous toddy increased, 5 dead, 31 admitted

Hyderabad, A total of 5 people died due to consumption of adulterated toddy in Telangana's capital Hyderabad, more than 31 people fell ill and are admitted in the hospital. All the victims had consumed toddy on July 5 and 6, after which within a few hours they started complaining of vomiting, diarrhea and severe stomach pain. The deceased include Chakali Bojaiah (55), Chowdharymettu Swaroopa (61), Kalagalla Sitaram (74), Mounika (25), and Metla Narayana (40). All of them died while undergoing treatment in different hospitals. The condition of many victims suddenly deteriorated, some fainted and started having difficulty in urinating. People thought the initial symptoms were normal, but later when the severity increased, it was too late to reach the hospital. The sick people were initially admitted to various hospitals, but were later referred to NIMS hospital. By Wednesday evening, the total number of victims reached 31, of which one remains in critical condition. A large number of labourers and local residents from areas like Hydnagar, Shamshiguda, Nizampet, Indira Hills, and Addagutta had consumed toddy. These people usually drink toddy every day, so the initial symptoms were not taken seriously. But some people lost their lives due to lack of timely treatment. During investigation, the officials of the Excise Department found that the toddy was adulterated with Alprazolam (an intoxicating drug) and other harmful chemicals. 66 grams of white powder has been seized from a shop in Indranagar, which is being investigated. It is believed that this poison became the cause of death of people. 5 FIRs have been registered in this serious case, and 7 people have been taken into police custody. The arrested accused include operators and sellers of toddy shops. These include the names of Kuna Ravi Teja Goud, J. Prabhakar Goud, Kuna Sai Teja Goud, Tegala Ramesh, T. Srinivas Goud, Chintakindi Nagesh Goud and Batti Srinivas Goud. Samples of 350 ml have been collected from all the four shops and sent to the laboratory for testing. So far, 674 litres of toddy has been destroyed. Investigation has revealed that the owners of two of these shops are the sons of Congress leader Kuna Satyanarayana Goud, which may open a new angle to the investigation.

Hearing in Supreme Court on Bihar voter list dispute, petitioner said - this is arbitrary and discriminatory

New Delhi, A hearing was held in the Supreme Court today regarding the special intensive revision of the voter list before the assembly elections to be held in Bihar this year. During this, the petitioners said that the Commission is doing a thorough revision of the entire voter list within a time limit of 30 days and is accepting only 11 documents except the voter ID card. A bench of Justice Sudhanshu Dhulia and Justice Joymalya Bagchi is hearing the case. Senior advocate Gopal Sankaranarayanan, appearing for the petitioners, said, "Under the 1950 Act and the voter registration rules, 2 types of revisions are allowed - intensive and summary revision. Intensive revision is a new process and 7.9 crore people of Bihar will have to go through it. Special intensive revision is neither in the law, nor in the Act or the rules. It is being done for the first time in the history of India." Justice Dhulia asked the petitioners, what the Election Commission is doing is according to the provisions of the Constitution. Then how can you say that it is doing something wrong? To this, lawyer Shankarnarayanan said, constitutional and legal violations are taking place at 4 levels in this process. In the instructions, certain categories of people have been excluded from this amendment process, which is unconstitutional. SIR has no solid legal basis. The Supreme Court raised questions on the process being carried out before the elections. The court also objected to the Aadhaar card not being recognised as an identity card. The court said, if the name of a person is included in the voter list only on the basis of proving citizenship, then this will be a big test. This is the work of the Home Ministry, you should not go into it. It has its own judicial process, then there will be no justification for this exercise. The court asked, is the intensive testing being done by the Election Commission within the rules or not? And when can this intensive testing be done? Is this within the jurisdiction of the Commission or not? Advocate Shankarnarayanan agreed to this, but raising questions on the method, he said, those who voted before 2003 have to only fill the form. Those who voted after that have to submit documents. This has been done without any basis. The law does not allow this.The Election Commission has asked voters in Bihar to submit different documents based on their year of birth. If this is not done, the voter's name can be removed from the list. The Commission says that the voter list has not been reviewed since 2003, so this is being done. At the same time, the opposition says that this is a conspiracy to snatch the right to vote from poor, Dalit, backward and minority voters.

From Vijay Deverakonda to Rana Daggubati... 29 celebrities in trouble in betting case, ED will question them

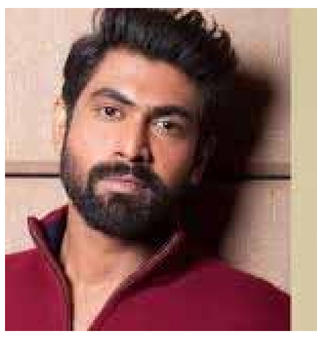

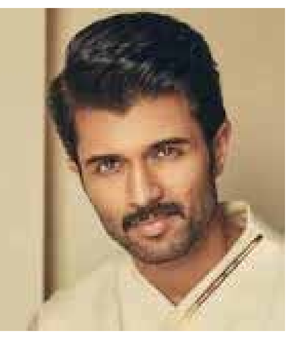

New Delhi, ED has registered a case against 29 celebrities in connection with money laundering related to betting app. Investigation has been started against 29 celebrities in this case. These celebrities are accused of advertising/promoting this illegal betting app. The prominent celebrities whose names have come to light include Vijay Deverakonda, Rana Daggubati, Manchu Lakshmi, Prakash Raj, Nidhi Agarwal, Ananya Nagalla, Srimukhi. ED's action has been taken on the basis of FIR registered by Hyderabad Cyberabad Police. These celebrities are accused of allegedly promoting this illegal betting app or being involved in transactions through it. Aspects related to money laundering and illegal betting are being investigated in the case. ED can now question all these celebrities and will also investigate their bank transactions. It was said in the complaint that a lot of money is involved in this scam. When this matter came to light, South actor Prakash Raj, famous for playing villain roles in Hindi cinema, admitted that he had worked in such an advertisement in 2015, but had come out of this deal within a year. At the same time, the team of 'Rana Naidu' fame Rana Daggubati also clarified that his endorsement deal was under all the laws and he was not involved in any illegal deal.

Shubhanshu Shukla, who was part of the GEOM-4 mission, may face a delay in his return to Earth, this is the reason

New Delhi, Indian astronaut Group Captain Shubhanshu Shukla is currently present on the International Space Station under the GEOM-4 mission. This mission was launched on 25 June 2025 from the Kennedy Space Center in Florida, USA through SpaceX's Falcon 9 rocket. Along with Shubhanshu Shukla, this mission includes Commander Peggy Whitson (America), Slavos Uznanski-Wisniewski (Poland) and Tibor Kapu (Hungary). Under the mission, this team was sent to ISRO for 12 days, but now their return may be delayed by 3-4 days. The European Space Agency (ESA) has indicated that the return of ISRO-4 mission is not possible before July 14, 2025. Possible reasons for the delay Bad weather The GEOM-4 crew will return in SpaceX's 'Dragon capsule Grace', which will splashdown in the Atlantic Ocean or the Gulf of Mexico near the Florida coast. But at present there is a possibility of strong winds, rain and possible storm in that area. In such a situation, splashdown is not considered safe, due to which the return date has been extended. Technical reasons cause pressure leak in the ISS Recently, a pressure leak problem was detected in the Russian module 'Zvezda' of the International Space Station. NASA and the Russian agency Roscosmos repaired it, but after the repair, a new pressure signal was received again, which is under investigation. No risk can be taken regarding the safety of the station until this investigation is completed. Such situations have occurred before. For example, the return of the GEOM-1 mission was also postponed due to bad weather. Return procedure The SpaceX-4 crew will depart from the ISS and board the Dragon capsule, which will slowly travel towards Earth and make a soft splashdown in the ocean at a designated location. This process is entirely dependent on weather and technical clearances.

My intention was right, but the method was wrong, MLA Sanjay Gaikwad's clarification on the fight in the canteen

Mumbai, Shiv Sena MLA Sanjay Gaikwad had slapped an employee at a canteen in Mumbai after getting bad food, on which he has now given his clarification. Talking to news agency IANS, he said that his intention was right, but the method was wrong. He told that for the last several years there were complaints of dirt and bad food in the hotel, but no action was taken. This had boosted the morale of the hotel owners. He said, I don't eat outside food, but after eating at this hotel, I had health problems. The food was bad, which made me angry. My reaction was wrong, but the intention was right. He claimed that after his action, 95 percent of the people are accepting it as correct. Due to his initiative, hotel owners across Maharashtra have started cleaning their establishments. He demanded from the government that insurance, identity card and medical checkup every three months should be made compulsory for the employees working in hotels. Also, strict rules should be implemented to ensure cleanliness and quality of food in hotels. He said, no one was coming forward on this issue. I did the work of tying the bell around the cat's neck. Actually, a video of Shiv Sena MLA Sanjay Gaikwad had surfaced, in which he was seen slapping a canteen employee in Mumbai. Gaikwad also talked about the inauguration of Sindoor Bridge in Mumbai on Thursday. He said that this bridge is dedicated to 'Operation Sindoor'. In this operation, the Indian Army selectively killed terrorists. He said, Pakistan had snatched the sindoor of our women. Operation Sindoor was the revenge for that. In its memory, the Chief Minister has named this bridge Sindoor.